सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

खुद के ऊपर विश्वास रखों... ।
फिर देखना एक दिन ऐसा आएगा कि..... ।
घड़ी दूसरे की होगी और समय आपका होगा.... ।
....अज्ञात

वर्ष-01 अंक-19 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 06 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

17 करोड़ के बुढ़ासागर घोटाले पर चुप्पी क्यों?, एफआईआर नहीं तो धरना तय

गांधी टोपी पहन 'सोई व्यवस्था' को जगाएंगे ओस्तवाल

नरेन्द्र डाकलिया/ राजनांदगांव

राजनांदगांव के बहुचर्चित रानीसागर-बुढ़ासागर सौंदर्यीकरण घोटाले में लगभग 17 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार के बावजूद आज तक एफआईआर दर्ज न होना अब सीधे-सीधे प्रशासनिक संरक्षण और राजनीतिक मिलीभगत की ओर इशारा करने लगा है। इसी चुप्पी के खिलाफ पूर्व पार्षद और जनहित के मुद्दों पर मुखर हेमंत ओस्तवाल ने प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए धरने की अनुमति मांगी है।

हेमंत ओस्तवाल ने अनुविभागीय अधिकारी (शहर), राजनांदगांव को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि 09 फरवरी 2026 को, जब नगर पालिक निगम की

सामान्य सभा पुराने टाउन हॉल परिसर में आयोजित होगी, उसी समय वे उसी परिसर के बाहर प्रातः 12 बजे से 01:30 बजे तक अकेले धरने पर बैठेंगे। उनका कहना है कि यह धरना ' गांधी टोपी पहनकर उन जवाबदारों को जगाने के लिए होगा, जो वर्षों

से आंख मूंदे बैठे हैं।'

सर्वसम्मति से एफआईआर का प्रस्ताव, फिर भी कार्रवाई शून्य!

ओस्तवाल ने पत्र में याद दिलाया है कि 25 अगस्त 2022 को नगर निगम की सामान्य सभा में विषय क्रमांक 17 के तहत यह बात सर्वसम्मति से स्वीकार की गई थी कि बुढ़ासागर-रानीसागर सौंदर्यीकरण में शासन के नियमों की खुली अनदेखी कर भ्रष्टाचार किया गया। उसी सभा में दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और कार्रवाई का प्रस्ताव भी पारित हुआ।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि ढाई साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी एफआईआर कहां है? दोषी अधिकारी और ठेकेदार अब तक क्यों बचे हुए हैं? क्या फाइलें जानबूझकर दबाई गईं? भ्रष्टाचारियों को बचाने की 'अदृश्य ढाल' किसकी? हेमंत ओस्तवाल का आरोप है कि इस पूरे मामले में भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों को बचाने का सुनियोजित प्रयास लगातार जारी है, जो न केवल जनहित बल्कि शासनहित के भी खिलाफ है। उन्होंने दो टूक कहा है कि यदि कोई संरक्षण नहीं है, तो फिर नामजद एफआईआर दर्ज करने में देरी किस बात की?

यह है सबसे गंभीर सवाल

यह कि भाजपा की सत्ता होने के बावजूद इस प्रकरण में कार्रवाई न होना वर्तमान महापौर और पूर्व महापौर हेमा देशमुख को भी संदेह के घेरे में खड़ा करता है। ओस्तवाल ने संकेतों में नहीं, बल्कि सीधे पूछा है — 'अगर संरक्षण नहीं है, तो कार्रवाई क्यों नहीं?' सामान्य सभा में चर्चा से भागना = संलिप्तता का प्रमाण? ओस्तवाल ने चेताया है कि 09 फरवरी 2026 को होने वाली सामान्य सभा में यदि शहर से जुड़े इस गंभीर बुढ़ासागर भ्रष्टाचार मामले को चर्चा और कार्रवाई के लिए एजेंडे में नहीं लाया गया, तो यह साफ-साफ संलिप्तता का प्रमाण माना जाएगा। उन्होंने प्रशासन से धरने के दौरान पूर्ण कानूनी व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग भी की है, क्योंकि इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों के नेता, सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक भी मौके पर पहुंच सकते हैं।

अब सवाल साफ है

क्या बुढ़ासागर घोटाला फाइलों में दफन कर दिया जाएगा? या फिर नामजद एफआईआर और कार्रवाई से सच सामने आएगा? 09 फरवरी को होने वाली सामान्य सभा और उससे पहले प्रशासन का रुख तय करेगा कि राजनांदगांव में भ्रष्टाचार पर प्रहार होगा या फिर एक और घोटाला 'सिस्टम' की चुप्पी में दब जाएगा।

खास-खबर

किसान को हक पाने के लिए खुद को तहसील में करना पड़ा बंद

7रिश्वतखोरी उजागर होने पर दबाव में जारी हुआ नामांतरण आदेश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विष्णुदेव सरकार के 'सुशासन' के दावों की पोल तुमडीबोड़ तहसील कार्यालय में उस वक्त खुल गई, जब एक किसान को अपने ही जमीन के नामांतरण के लिए तीन घंटे से अधिक समय तक खुद को कार्यालय के भीतर बंद करना पड़ा। यह घटना सरकार की प्रशासनिक संवेदनहीनता और राजस्व तंत्र में फैले भ्रष्टाचार का जीता-जागता उदाहरण बन गई है। नामांतरण जैसे सामान्य राजस्व कार्य के लिए किसान से 1000 रुपये की रिश्वत वसूले जाने का आरोप सामने आया है। किसान द्वारा इसकी लिखित शिकायत भी की गई, लेकिन कार्रवाई तब तक नहीं हुई, जब तक कांग्रेस नेताओं और किसानों ने तहसील कार्यालय घेरकर प्रदर्शन नहीं किया।

प्रदर्शन के आगे झुका प्रशासन

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन यादव, किसान कांग्रेस अध्यक्ष मदन साहू, प्रवक्ता राहुल तिवारी, महामंत्री चुंमन साहू, पूर्व एसएससी सदस्य क्रांति बंजारे, ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री गौतम वर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष टिकेश साहू, मंडल अध्यक्ष हेम सिंह साहू, सेक्टर प्रभारी भुवाल साहू सहित बड़ी संख्या में किसानों के उग्र प्रदर्शन के बाद ही तहसीलदार को नामांतरण का आदेश जारी करना पड़ा।

सवाल यह नहीं कि आदेश हुआ, सवाल यह है कि पहले क्यों नहीं हुआ? यह सवाल अब पूरे जिले में गूंज रहा है कि— क्या विष्णुदेव सरकार में किसान को न्याय तभी मिलेगा, जब वह खुद को कार्यालय में बंद करेगा? क्या रिश्वतखोरी की शिकायतों पर कारवाई सिर्फ भीड़ और राजनीतिक दबाव के बाद ही होती है?

रिश्वतखोर बाबू पर कार्रवाई या सिर्फ आश्वासन?

तहसीलदार ने रिश्वत की शिकायत पर संबंधित बाबू पर कार्रवाई का आश्वासन जरूर दिया है, लेकिन जिले के किसानों का कहना है कि ऐसे आश्वासन पहले भी कई बार दिए गए, पर कार्रवाई कागजों से बाहर नहीं निकली।

कांग्रेस नेता पंकज का सरकार पर हमला

कांग्रेस नेता पंकज बांधव ने घटना की फोटो और जानकारी साझा करते हुए विष्णुदेव सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा— 'यह किसान नहीं, सरकार की नाकामी है जो तहसील के कमरे में बंद दिख रही है। अगर आज भी कार्रवाई नहीं हुई तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही है।'

सुशासन के दावों पर बड़ा प्रश्नचिह्न

तुमडीबोड़ की यह घटना यह बताने के लिए काफी है कि राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार अब भी जमीनी सच्चाई है, और सरकार के सुशासन के दावे सिर्फ मंचों तक सीमित हैं।

कागजों में थाना, सड़कों पर अराजकता
दुर्ग-भिलाई में ट्रैफिक सिस्टम हुआ फेल

शासन की साख पर सवाल, 3 साल बाद भी अधिसूचना बेअसर, अफसर मौन, जनता त्रस्त

आलोक तिवारी / दुर्ग-भिलाई

छत्तीसगढ़ शासन ने दिसंबर 2022 में दुर्ग-भिलाई क्षेत्र में चार यातायात पुलिस थाने खोलने की अधिसूचना जारी कर बड़ा दावा किया था। कहा गया था कि इससे दुर्घटनाओं पर नियंत्रण होगा, अपराध कम होंगे और व्यवस्था सुधरेगी। लेकिन तीन साल बाद हकीकत यह है कि ये थाने आज भी कागजों में ही जिंदा हैं, जमीन पर नहीं। धरातल पर न थाना है, न सिस्टम—है तो सिर्फ चालान काटने वाली मशीन। थाने के नाम पर मजाक, व्यवस्था के नाम पर धोखा भिलाई के नेहरू नगर गुरुद्वारा के सामने बना तथाकथित यातायात थाना आज सिर्फ एक औपचारिक ढांचा बनकर रह गया है।

दुर्घटना के बाद ट्रैफिक थाना क्यों गायब हो जाता है?

जब भी सड़क हादसा होता है—पीड़ित इधर-उधर भटकता है, केस सामान्य थाने में दर्ज होता है, जांच वहीं होती है। ट्रैफिक थाना गायब रहता है जब नियम के अनुसार ये मामले ट्रैफिक थानों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, तो फिर वे काम क्यों नहीं कर रहे? क्या यह लापरवाही है या जानबूझकर बनाई गई व्यवस्था?

बिना स्वीकृत पद के अफसर कैसे बैठे हैं कुर्सी पर?

सूत्रों के अनुसार, दुर्ग ट्रैफिक विभाग में केवल डीएसपी का पद स्वीकृत है। इसके बावजूद— एडिशनल एसपी स्तर के अधिकारी तैनात हैं। भारी वेतन खर्च हो रहा है, लेकिन व्यवस्था शून्य है। सवाल उठता है— यह नियुक्ति किस नियम से हुई? किसकी अनुमति से हुई? जवाबदेही किसकी है?

यहां—एफआईआर दर्ज नहीं होती

दुर्घटनाओं की जांच नहीं होती, कोई प्रशासनिक रिकॉर्ड नहीं, अधिकारी कक्षों में बैठकर आदेश देते हैं और सड़क पर सिपाही सिर्फ चालान काटते हैं। यानी पूरा ट्रैफिक विभाग अब केवल 'वसूली तंत्र' बनकर रह गया है।

जनता में आक्रोश, शासन की चुप्पी शर्मनाक

स्थानीय नागरिकों का कहना है— 'सरकार ने आदेश दिया, अफसरों ने स्वागत किया, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं हुआ।' तीन साल तक चुप रहना प्रशासन की अक्षमता नहीं, बल्कि लापरवाही का प्रमाण है। कौन है जिम्मेदार? सरकार, पुलिस या सिस्टम? अब सवाल सीधे हैं— अधिसूचना क्यों निकाली गई? लागू क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसर कौन है? अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? या फिर यह भी एक और योजना बनकर फाइलों में दफन हो जाएगी?

अब भी नहीं सुधरे तो हालात और बिगड़ेंगे यदि जल्द— वारों थाने पूरी तरह शुरू नहीं हुए, एफआईआर और जांच शुरू नहीं हुई, स्टाफ और संसाधन नहीं मिले, जवाबदेही तय नहीं हुई तो आने वाले समय में सड़कें और ज्यादा खून बहाएंगी और जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं होगा।

अब फैसला शासन को करना है या तो— व्यवस्था सुधारी जाए, दोषियों पर कार्रवाई हो, सिस्टम मजबूत किया जाए या फिर दुर्ग-भिलाई की जनता यूं ही अव्यवस्था की सजा भुगतती रहे।

चार थानों की घोषणा, एक भी पूरी तरह चालू नहीं

2022 की अधिसूचना में चार यातायात थानों की घोषणा की गई। दुर्ग, आकाशगंगा, सिविक सेंटर, पुरानी भिलाई-चरोदा, उद्देश्य था पूरे जिले को ट्रैफिक नियंत्रण में लाना। लेकिन तीन साल बाद भी— न पर्याप्त स्टाफ, न विवेचक, न फाइल सिस्टम, न रिकॉर्ड रूम, न जवाबदेही सारा सिस्टम ठप है।

रायपुर में कानून, दुर्ग में मनमानी क्यों?

राजधानी रायपुर में कमिश्नरी व्यवस्था के बाद— चालान अधिकार सीमित, वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी, जनता को राहत, व्यवस्था पारदर्शी, दुर्ग-भिलाई में— अव्यवस्था, मनमानी, भ्रष्ट सिस्टम, जनता शोषित हो रही है। क्या दुर्ग-भिलाई प्रशासन की प्राथमिकता में नहीं है?

चर्चा का विषय

'लव ट्रैप' से लेकर नक्सल ऑपरेशन लीक तक गंभीर आरोप

दंतेवाड़ा की उप पुलिस अधीक्षक कल्पना वर्मा को किया निलंबित

नई दृष्टिबिंदु / दंतेवाड़ा-रायपुर

दंतेवाड़ा की उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) कल्पना वर्मा का मामला इन दिनों पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। ताजा घटनाक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग ने 5 फरवरी 2026 को उन्हें निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके खिलाफ आई विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है, जिसमें गंभीर अनियमितताओं और कदाचार के आरोप सामने आए हैं।

जांच रिपोर्ट के बाद गिरी गाज

सूत्रों के मुताबिक, रायपुर पुलिस द्वारा एएसपी कीर्तन राठौर के नेतृत्व में की गई जांच के बाद लगभग 1400 पन्नों की रिपोर्ट तैयार की गई थी। यह रिपोर्ट आईजी के माध्यम से गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय को भेजी गई, जिसके बाद सरकार ने तत्काल प्रभाव से निलंबन का आदेश जारी किया।

नक्सल ऑपरेशन की जानकारी लीक करने का आरोप

मामले में सबसे गंभीर आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े

हैं। जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डीएसपी कल्पना वर्मा ने व्हाट्सएप चैट के जरिए नक्सल विरोधी अभियानों से जुड़ी गोपनीय और संवेदनशील जानकारियां कारोबारी के साथ साझा की थीं। इससे सुरक्षा बलों की गतिविधियों पर असर पड़ने और जवानों की जान को खतरा होने की आशंका जताई गई है। जांच एजेंसियों ने इसे बेहद गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता माना है।

रिपोर्ट में 3 आईपीएस अधिकारियों के नाम का भी जिक्र

जांच रिपोर्ट में तीन आईपीएस अधिकारियों के नामों का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि इस पर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पुलिस मुख्यालय स्तर पर इस पहलू की भी गहन समीक्षा की जा रही है।

कारोबारी ने लगाए 'लव ट्रैप' और ठगी के आरोप

रायपुर के होटल कारोबारी दीपक टंडन ने डीएसपी कल्पना वर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कारोबारी का दावा है कि उन्हें कथित रूप से 'लव ट्रैप' में फंसाकर लगभग दो करोड़ रुपये नकद, हीरे की अंगूठी और अन्य महंगे उपहार ऐंठे गए। कारोबारी के अनुसार, भावनात्मक दबाव और ब्लैकमेलिंग के जरिए उनसे लगातार पैसे और कीमती सामान लिया गया।

आरोपों को बताया बेबुनियाद

वहीं डीएसपी कल्पना वर्मा ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार और झूठा बताया है। उन्होंने कारोबारी पर बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाया था और मानहानि का केस करने की बात भी कही थी। उनके परिवार की ओर से कारोबारी के खिलाफ रंगदारी और साजिश से जुड़ा काउंटर केस भी दर्ज कराया गया है।

पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

इस पूरे प्रकरण के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। नक्सल प्रभावित इलाके में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी पर इस तरह के आरोप लगने से विभाग की साख पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार और पुलिस मुख्यालय अब मामले की अगली जांच और विभागीय कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

आगे क्या होगा?

निलंबन के बाद अब इस मामले में विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण और संभावित चाजशीट की प्रक्रिया तेज होने की संभावना है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो डीएसपी कल्पना वर्मा पर कड़ी कानूनी कार्रवाई तय मानी जा रही है। यह मामला न सिर्फ एक अधिकारी की व्यक्तिगत जवाबदेही से जुड़ा है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक पारदर्शिता पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है।

भिलाई के छात्र ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम, अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में जीता गोल्ड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के लिए गर्व की बात है कि डी.ए.वी. इस्पात पब्लिक स्कूल भिलाई के कक्षा 6वीं के छात्र मोहम्मद आतिफ ने अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड-2025 में गोल्ड मेडल जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है।

हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में आतिफ छत्तीसगढ़ से इकलौते गोल्ड मेडलिस्ट बने। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें राष्ट्रीय हिंदी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से भिलाई सहित पूरे प्रदेश में खुशी का माहौल है। स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और परिजनों ने आतिफ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

खास खबर

राजस्व मामलों के निपटारे में तेजी लाएं अधिकारी, कलेक्टर की सख्त हिदायत

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण एवं राजस्व प्रकरणों के निराकरण के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य तथा राजस्व प्रकरणों के निराकरण के कार्य को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष सहित एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे। बैठक में मिश्रा ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के अलावा राजस्व प्रकरणों के अंतर्गत नामांतरण, बंटवारा, खाता विभाजन के कार्य तथा अतिक्रमण हटाने हेतु की जा रही कार्रवाई की भी गहन समीक्षा की।

उन्होंने राजस्व अधिकारियों से अवैध कब्जा हटाने हेतु की जा रही कार्रवाई के संबंध में जानकारी लेते हुए अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अंतर्गत उन्होंने तहसीलदार मारी बंगला देवरी से पसौद से दुर्ग मार्ग में अतिक्रमण हटाने हेतु की जा रही कार्रवाई के संबंध में जानकारी लेते हुए उन्हें शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अविवादित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण के भी निर्देश दिए।

कुरैशी ने सराहा मस्जिद-मदरसा व मजारात किताब को

भिलाई। अंचल के शिल्पकार हाजी एमएच सिद्दीकी ने अपनी किताब तामीर-ए- मस्जिद-मदरसा व मजारात की प्रति पूर्व राज्यमंत्री बदरुद्दीन कुरैशी को भेंट की। इस दौरान कुरैशी ने हाजी सिद्दीकी की पहल को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह किताब मस्जिद-मदरसा व मजारात के निर्माण के दौरान ध्यान रखने जाने वाले सभी पहलुओं को लेकर आने वाली पीढ़ी का भी मार्गदर्शन करती रहेगी। इस दौरान शिल्पकार हाजी सिद्दीकी ने बताया कि ऐसे धार्मिक निर्माण कहीं भी बेजा कब्जा कर नहीं बनाए जा सकते। पूर्व राज्यमंत्री कुरैशी ने कहा कि लोग अगर इस किताब को अच्छी तरह पढ़ कर मस्जिद, मदरसा व मजारात की तामीर करें तो कहीं भी विवाद नही होगा। पूर्व राज्यमंत्री कुरैशी ने इस दौरान कहा कि हाजी एम एच सिद्दीकी आधुनिक भारतीय स्थापत्य कला विशेषज्ञ का अनमोल हीरा है जो भिलाई का नाम पूरे भारत मे रौशन किए हुए है। उन्होंने भविष्य की लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

धूल नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के लिए MRD-NSBY क्षेत्र में वाटर कैनन की स्थापना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यस्थल की पर्यावरणीय स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करने तथा धूल नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत एमआरडी-एनएसबीवाई क्षेत्र में दो आधुनिक वाटर कैनन स्थापित किए गए हैं। इनमें से एक वाटर कैनन बीएफ डंप क्षेत्र में तथा दूसरा एनएसबीवाई क्षेत्र में स्थापित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि स्लैग हैंडलिंग एक धूल-प्रवण गतिविधि है, जिसके दौरान कर्मचारियों द्वारा पहले से ही डस्ट मास्क सहित अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) का नियमित उपयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वाटर कैनन की स्थापना एक उन्नत तकनीकी उपाय के रूप में की गई है, जिससे सेपरेटर संचालन, सामग्री प्रबंधन एवं सड़कों पर वाहनों की आवाजाही के दौरान उत्पन्न धूल को और अधिक नियंत्रित किया जा सकेगा।

वाटर कैनन के माध्यम से धूल कणों के दमन से न केवल वायु गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि दृश्यता बेहतर होने के साथ-साथ कार्यस्थल की समग्र सुरक्षा एवं स्वच्छता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह पहल पर्यावरण संरक्षण मानकों के अनुपालन तथा कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स एवं एमआरडी) हरिश कुमार सचदेव ने कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के साथ-साथ वाटर कैनन जैसे तकनिकी उपाय धूल नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाते हैं और कर्मचारियों की सुरक्षा को और सुदृढ़ करते हैं।

वहीं महाप्रबंधक (ऑपरेशंस) आलोक कुमार माथुर ने कहा कि यह पहल पर्यावरण प्रबंधन, परिचालन सुरक्षा तथा सतत विकास के प्रति संयंत्र प्रबंधन की सक्रिय और प्रतिबद्ध सोच को प्रतिबिंबित करती है।

रोजगार के द्वार : 15-16 फरवरी को जगदलपुर में विशाल रोजगार मेला

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आगामी 15 एवं 16 फरवरी को एक विशाल संभाग स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इस महत्वपूर्ण आयोजन का उद्देश्य निजी क्षेत्र की कंपनियों और रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को एक मंच पर लाना है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, जगदलपुर ने निजी क्षेत्र की ऐसी सभी संस्थाओं और नियोक्ताओं को इस मेले में शामिल होने का आमंत्रण दिया है, जो अपनी संस्था में रिक्त पदों की पूर्ति करना चाहते हैं। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह मेला नियोजकों के लिए पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इस मेले में भाग लेने और अपनी रिक्तियों को भरने के इच्छुक नियोजकों को रिक्त पदों की अधिसूचना निर्धारित प्रपत्र में भरकर आगामी 08 फरवरी तक अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी। सुविधा की दृष्टि से विभाग ने आवेदन के कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं। नियोक्ता अपनी जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र जगदलपुर में व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक द्वारा भेज सकते हैं। इसके अलावा, डिजिटल माध्यम से ई-मेल आईडी ddirempl@gmail.com या विभागीय पोर्टल https://erojgar.cg.gov.in/ के जरिए भी आवेदन प्रेषित किए जा सकते हैं।

रोजगार विभाग के उपसंचालक जय प्रकाश कौशिक ने बताया कि उक्त प्रस्तावित रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए इच्छुक निजी क्षेत्र के नियोजकों का पंजीयन होना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया हेतु संस्था को कुछ आवश्यक जानकारियां साझा करनी होंगी, जिनमें संस्था प्रमुख का नाम, जीएसटी नंबर या फर्म पंजीयन, पैन नंबर अथवा टेन नंबर, मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी शामिल हैं। सभी नियोक्ताओं से समय सीमा के भीतर जानकारी प्रेषित करने की अपील की गई है ताकि आयोजन को सफल बनाया जा सके।

मड़ई मिलन समारोह हमारी सांस्कृतिक एकता का प्रतीक- कीर्ति नायक

नई दृष्टिबिंदु / पाटन

पाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम खुडमुड़ी में आयोजित मड़ई मिलन समारोह में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने मड़ई मिलन की परंपरा, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक विरासत पर सारगर्भित उद्बोधन दिया।

श्रीमती नायक ने अपने संबोधन में कहा कि मड़ई जैसे आयोजन हमारी लोकसंस्कृति, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को सशक्त करते हैं। ऐसे पारंपरिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं तथा ग्राम समाज को एक सूत्र में पिरोते हैं।

उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण स्तर पर इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने आयोजक समिति एवं ग्रामवासियों को मड़ई मिलन समारोह के सफल आयोजन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में सरपंच गुलाब सिंह जोशी, श्रीमती संतोषी ठाकुर, जनपद सदस्य निरंजन यदु, पंच सियाराम ठाकुर, पंच जानकी यादव, पंच अजली साहू, दिलीप साहू, राजेश चौहान, बसंत यादव, श्रीमती कोमल साहू, दुर्गेश नंदनी वर्मा, उपसरपंच श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर, श्याम सुंदर वर्मा, शिवचरण वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान पारंपरिक सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसे ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सराहा।

युवाओं को नशे से बचाने दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गोगो पेपर व हुक्का सामग्री के अवैध नेटवर्क का किया खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

युवाओं में बढ़ते नशे के प्रचलन, विशेषकर गांजा सेवन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस द्वारा एक बड़ी और समन्वित कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 35 से अधिक पुलिस टीमों का गठन कर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ रेड कार्रवाई की गई, जिसमें करीब 02 लाख रुपये मूल्य की नशीली सामग्री जप्त की गई है।

रेड कार्रवाई के दौरान यह सामने आया कि शहर के कई पान ठेले, गुमटियां एवं डेली नीड्स दुकानों पर गांजा पीने में उपयोग होने वाले गोगो/रोलिंग पेपर, चिलम, हुक्का फ्लेवर एवं प्रतिबंधित जर्दायुक्त पान मसाला का अवैध विक्रय किया जा रहा था। यह गतिविधियां युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन रही थीं।

संयुक्त पुलिस टीमों ने नियमानुसार तलाशी लेकर भारी मात्रा में नशीली सामग्री जप्त की। शैक्षणिक संस्थानों के आसपास एवं सार्वजनिक स्थलों पर COTPA Act के उल्लंघन के मामलों में संबंधित दुकानों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत इस्तगासा प्रस्तुत कर पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। साथ ही, जप्त सामग्री की सप्लाई चेन (Backward Linkage) की भी पहचान की गई है, जिनके विरुद्ध आगामी वैधानिक कार्रवाई प्रस्तावित है। इस कार्रवाई में कुल 17 दुकानदार/व्यक्ति पकड़े गए, जिनमें मोहन नगर, स्मृतिनगर, रिसाली, सुपेला एवं दुर्ग क्षेत्र के पान ठेले, चाय दुकानें, किराना व डेली नीड्स स्टोर्स के संचालक शामिल हैं।

भारी मात्रा में गोगो/रोलिंग पेपर (अनुमानित मूल्य 2 लाख) हुक्का फ्लेवर, चिलम प्रतिबंधित जर्दायुक्त पान मसाला एवं अन्य नशे से संबंधित सामग्री शामिल है। इस कार्रवाई में सभी सीएसपी, एसडीओपी के नेतृत्व में दुर्ग अउटव टीम तथा थाना मोहन नगर, स्मृतिनगर, नेवई एवं दुर्ग क्षेत्र की पुलिस टीमों ने आपसी समन्वय के साथ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की, जो सराहनीय रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील करती है कि नशे से दूर रहें और नशे से जुड़ी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मेट्रो सिटी में निवासरत देवांगन समुदाय ने मनाया परमेश्वरी महोत्सव

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बैंगलोर मेट्रो सिटी में रहने वाले देवांगन समुदाय ने अपनी संस्कृति एवं परंपरा को बनाए रखते हुए बसंत पंचमी के दिन बैंगलोर में परमेश्वरी महोत्सव का शानदार आयोजन किया। इस अवसर पर बैंगलोर में निवासरत छत्तीसगढ़ के देवांगन जनों ने परिवार सहित महोत्सव में शामिल होकर ईष्ट देवी माता परमेश्वरी की सामूहिक पूजा अर्चना कर उत्सव मनाया। अपने ईष्ट देवी मां परमेश्वरी की पूजा अर्चना में शामिल होने बैंगलोर के रहवासी देवांगन जन उमड़ पड़े।

समारोह के आरंभ में श्रीमती गीना देवी देवांगन ने माता परमेश्वरी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। मनीषा देवांगन, मेघा देवांगन, चांदनी देवांगन एवं श्वेता देवांगन के नेतृत्व में सभी ने मां परमेश्वरी की आरती की। स्वागत उद्बोधन मनीष प्रियंका देवांगन ने दिया। इसके बाद बैंगलोर में रहने वाले उपस्थित 60 परिवारों ने अपना अपना परिचय दिया। महोत्सव में शामिल विवाह योग्य 15 युवक युवतियों ने भी उत्साहपूर्वक अपना परिचय दिया।

जयेश देवांगन एवं शिवेन्द्र देवांगन के नेतृत्व में उपस्थित लोगों के लिए अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसमें कौन बनेगा परमेश्वरी महोत्सव की श्रेष्ठ जोड़ी, ट्रेजर हंट, किट्स ड्राइंग, पेंटिंग एवं नृत्य जैसे रोचक कार्यक्रमों ने समाज बांधा। दिनेश देवांगन, साकेत देवांगन, घनश्याम देवांगन एवं भूपेंद्र देवांगन ने भोजन व्यवस्था संभाली। रश्मि देवांगन एवं श्वेता देवांगन ने सभी परिवारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दी। परमेश्वरी महोत्सव में शामिल सभी लोग बहुत ही प्रफुल्लित नजर आए और सभी ने संकल्प लिया कि आने वाले दिनों में वे सब मिलकर ऐसे आयोजन लगातार करते रहेंगे, ताकि दूर रहकर भी अपनी संस्कृति एवं परंपरा से जुड़े रहें। कार्यक्रम का सफल संचालन मनीष देवांगन एवं प्रियंका देवांगन तथा आभार प्रदर्शन प्रियतम देवांगन ने किया। बैंगलोर में परमेश्वरी महोत्सव के शानदार आयोजन के लिए देवांगन समाज भिलाई के वरिष्ठ घनश्याम कुमार देवांगन ने अपनी संस्कृति एवं परंपरा से जुड़े रहने के लिए सराहना करते हुए आयोजकों एवं समाज के लोगों को बधाई प्रेषित की है।

मतदाता सूची में विसंगति वाले मतदाता 13 तक कराएं सत्यापन, सत्यापन नहीं कराने पर कट सकता है नाम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार और सर्वोच्च न्यायालय के 29 जनवरी 2026 के आदेश के परिपालन में दुर्ग जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार जिन मतदाताओं के नाम तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में आए हैं, वे 13 फरवरी 2026 तक अपना सत्यापन अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें।

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा विसंगति की श्रेणी में आने वाले मतदाताओं के नाम ग्राम पंचायत भवनों, तहसील कार्यालयों, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालयों और शहरी क्षेत्रों में वार्ड कार्यालयों में प्रदर्शित कर दिए गए हैं। मतदाता इन स्थानों पर जाकर सूची में अपना नाम चेक कर सकते हैं। प्रभावित मतदाता सूची प्रदर्शित होने की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियां या दस्तावेज जमा कर सकते हैं। यह प्रक्रिया व्यक्तिगत रूप से या अधिकृत प्रतिनिधि (बीएलए सहित) के माध्यम से पूर्ण की जा सकती है। इसके लिए निर्वाचक/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ/एईआरओ) के कार्यालय में संपर्क करना होगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रभावित मतदाताओं को न केवल दस्तावेज जमा करने, बल्कि व्यक्तिगत सुनवाई का भी अवसर दिया जा रहा है। अहंता तिथि 01 जनवरी के आधार पर किए जा रहे इस पुनरीक्षण का उद्देश्य एक शुद्ध और त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि वे समय सीमा का ध्यान रखें। यदि 13 फरवरी 2026 तक सत्यापन कार्य पूर्ण नहीं कराया जाता है, तो मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन (21 फरवरी 2026) में संबंधित नाम शामिल नहीं हो सकेंगे।

उपलब्धि एसएमएस-3 ने रचा अपना नया कीर्तिमान, बीआरएम और मर्चेंट मिल ने भी जनवरी में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिलाई इस्पात संयंत्र में रिकॉर्ड मासिक क्रूड स्टील उत्पादन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने इस्पात निर्माण के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए जनवरी माह में उत्पादन के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। संयंत्र की प्रमुख इकाइयों- स्टील मेल्टिंग शॉप-3, बार एंड रॉड मिल तथा मर्चेंट मिल ने जनवरी 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए बीएसपी की सामूहिक क्षमता और तकनीकी दक्षता को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। जहां एसएमएस-3 ने सेल के किसी भी स्टील मेल्टिंग शॉप द्वारा अब तक का सर्वाधिक मासिक क्रूड स्टील उत्पादन दर्ज कर इतिहास रचा, वहीं बीआरएम ने जनवरी माह का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड स्थापित किया तथा मर्चेंट मिल ने उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए।

इन उपलब्धियों के उपलक्ष्य में 3 फरवरी को भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने कार्यपालक निदेशक ए. के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक पी. के. सरकार, कार्यपालक निदेशक कमल भास्कर तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक तुषार कांत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंधित विभागों के शॉप फ्लोर का भ्रमण कर एसएमएस-3, बीआरएम एवं मर्चेंट मिल की टीमों को इस असाधारण प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

श्री महापात्र ने टीमों की प्रतिबद्धता, समन्वित प्रयास एवं तकनीकी दक्षता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की निरंतर उपलब्धियां संयंत्र की सशक्त सहयोगात्मक कार्य संस्कृति को दर्शाती हैं। जनवरी 2026 में एसएमएस-3 ने 3,48,197 टन कच्चे इस्पात का रिकॉर्ड उत्पादन किया, जो मई 2025 में स्थापित 3,39,275 टन के पूर्व सर्वश्रेष्ठ आंकड़े से अधिक है। यह उत्पादन डीपीआर क्षमता के 110 प्रतिशत पर दर्ज किया गया, जो सेल के किसी भी स्टील मेल्टिंग शॉप द्वारा अब तक का सर्वाधिक मासिक कच्चा इस्पात उत्पादन है और संगठनात्मक स्तर पर एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि में ब्लूम्स उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जो परिचालन योजना के लगभग 125 प्रतिशत तक हासिल किया गया। सीओजी लाइन के स्थिरीकरण से लंबे सीक्वेंस कास्टिंग एवं निर्बाध लैडल हीटिंग संभव हुई। वहीं सुचारु लैडल सकुंलेशन एवं तरल इस्पात की कुशल हैंडलिंग से टर्नअराउंड समय में कमी, तापीय नियंत्रण का अनुकूलन तथा उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे रोलिंग मिलों एवं ग्राहकों की आवश्यकताओं की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जा सकी।

जनवरी माह हीट प्रोसेसिंग में भी नए रिकॉर्ड बने। कन्वर्टर-ए में 695 हीट्स बनीं, जो पूर्व के 673 हीट्स के रिकॉर्ड से अधिक है, जबकि कन्वर्टर-बी में 689 हीट्स दर्ज की गईं, जो पूर्व के 669 हीट्स से अधिक है। लैडल फर्नेस-3 में 771 हीट्स बनाई गईं, जो पहले के 751 हीट्स के रिकॉर्ड से बेहतर है। कास्टिंग के मोर्चे पर भी एसएमएस-3 ने ऐतिहासिक सीक्वेंस लेंथ हासिल की। कास्टर सीके-1 ने 17 जनवरी 2026 को 147 हीट्स, कास्टर सीके-2 ने 24 जनवरी 2026 को 238 हीट्स तथा कास्टर सीवी-1 ने 20 जनवरी 2026 को 214 हीट्स दर्ज कर अपने-अपने पूर्व रिकॉर्ड को पार किया।

इस सफलता में कन्वर्टर्स, सेकेंडरी रिफाइनिंग यूनिट, कास्टर्स, क्रेन्स एवं डिस्पैच टीमों के समन्वित प्रयासों की निर्णायक भूमिका रही। सुनियोजित हीट प्लानिंग एवं सटीक सुपरहीट नियंत्रण से तकनीकीइआर्थिक प्रदर्शन में सुधार हुआ, जिसका प्रतिबिंब अब तक की न्यूनतम लैडल फर्नेस विद्युत खपत 31.15 किलोवाट-घंटा प्रति टन कच्चा इस्पात तथा औसत 106 हीट्स की सर्वश्रेष्ठ लैडल लाइफ के रूप में सामने आया। इस उपलब्धि को ब्लास्ट फर्नेस, ऑक्सीजन प्लांट, आरईडी, आरसीएल, एमएसडीएस एवं टीएंडडी सहित बीएसपी की प्रमुख इकाइयों के साथ सुदृढ़ लॉजिस्टिक्स एवं निर्बाध समन्वय का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर एसएमएस-3 के मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा ने कहा कि उपकरण स्वास्थ्य, प्रक्रिया सुरक्षा एवं परिचालन मापदंडों के कड़ाई से अनुपालन पर निरंतर ध्यान ही इस रिकॉर्ड उत्पादन का आधार रहा। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि रखरखाव और उत्पादन परस्पर पूरक हैं तथा सुनियोजित रणनीति एवं सामूहिक संकल्प के साथ एसएमएस-3 सुरक्षा एवं शून्य दुर्घटना संस्कृति को बनाए रखते हुए आगे भी नई ऊँचाइयों को छूता रहेगा।

निगम आयुक्त ने प्रस्तावित व नवीन पीएम आवास का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासों का निर्माण किया जाना है। आवास निर्माण हेतु अतिरिक्त स्थल की आवश्यकता को देखते हुए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा रिक्त स्थल का अवलोकन किया गया है।

निगम आयुक्त ने स्मृति नगर बुद्ध कालोनी, सूर्या विहार, हाउसिंग बोर्ड ढाचा भवन सांई मंदिर के पास, कैलाश नगर भगवा चौक एवं प्रगति नगर में पीएम आवास हेतु रिक्त स्थल का अवलोकन किया है। उपस्थित तहसीलदार एवं पटवारी को सीमांकन कार्य जल्द पूर्ण करने कहा गया है। आयुक्त ने सूर्या विहार में निर्माणाधीन पीएम आवास का जायजा लिए। निर्माण कार्य में गुणवत्ता लाने और कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने निर्देशित किये है, जिससे हितग्राहियों को मकान प्रदाय किया जा सके। प्रगति नगर में पूर्व से खेल मैदान एवं नवीन सड़क निर्माण प्रस्तावित है। समस्याओं को देखते हुए कार्य जल्द प्रारंभ कराने निर्देशित किया गया है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता कुलदीप गुप्ता, उप अभियंता दीपक देवांगन, आदित्य सिंह एवं अन्य अधिकारी कमर्चारी उपस्थित रहे।

खास खबर

धान खरीदी सिर्फ 2 दिन बढ़ाया जाना अपर्याप्त 15 दिन बढ़ाये – दीपक बैज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांग्रेस ने धान खरीदी सिर्फ 2 दिन बढ़ाने को अपर्याप्त बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अभी भी किसानों का लाखो टन धान नहीं बिक पाया है। सरकार ने इस वर्ष का जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 165 लाख मीट्रिक टन था। उसके विपरीत खरीदी मात्र 139.85 लाख मीट्रिक टन हुई है। सरकार अपने लक्ष्य से 25 लाख मीट्रिक टन पीछे है। पिछले वर्ष की तुलना में भी इस वर्ष खरीदी लगभग 10 लाख मीट्रिक टन कम हुई है। अभी तक जो आंकड़े सामने आये है, उसके अनुसार 2.5 लाख से अधिक पंजीकृत किसानो ने अपना धान नहीं बेच पाये है तथा लगभग 5 लाख किसानों का तो पंजीयन ही नहीं हुआ है। सभी किसानों का पूरा धान समर्थन मूल्य में खरीदा जा सके इसके लिये जरूरी है कि धान खरीदी की तिथि कम से कम 15 दिन और बढ़ाई जाये।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इस साल सरकार ने केवल 53 दिन धान की खरीदी किया है। 53 दिन में 139.85 लाख मीट्रिक टन की खरीदी हो पाई है। मतलब एक दिन में औसतन लगभग 2.5 लाख मीट्रिक टन की खरीदी हो पाई। इस हिसाब से सरकार 2 दिन में मात्र 4 से 5 लाख मीट्रिक टन धान ही खरीदी कर पायेगी। जबकि वह अभी लक्ष्य से 25 लाख मीट्रिक टन कम खरीदी कर पाई है। अतः धान खरीदी की तिथि बढ़ाया जाना चाहिये।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जिन 5 लाख किसानों का पंजीयन नहीं हुआ है सरकार उनके धान को भी खरीदने की व्यवस्था करे। विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने मोदी की गारंटी में हर किसान का पूरा धान खरीदने का वादा किया था, वह अब अपने वादे से मुकर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार ऋणी किसानों के धान खरीदने की विशेष व्यवस्था लिंकिंग के माध्यम से करें ताकि वे अपना कर्जा पटा पाये। अभी भी लाखों ऋणी किसानों का धान सरकार ने नहीं खरीदा है। ऐसे में उनके कर्ज का बोझ कैसे उतरेगा यह सरकार, सहकारी सोसायटी और किसानों तीनों के हित में है कि ऋणी किसानों के धान की खरीदी हो।

15 फरवरी के बाद सरकारी खरीदी पर पूर्ण प्रतिबंध

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्तीय अनुशासन बनाए रखने और वित्तीय वर्ष के अंत में बजट खपाने की आपाधापी यानी श्मार्च रशश को रोकने के लिए एक सख्त और अहम फैसला लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी नए निर्देशों के अनुसार प्रदेश में 15 फरवरी, 2026 के बाद वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधानों से किसी भी प्रकार की नई सामग्री की खरीदी या क्रय आदेश जारी करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। वित्त विभाग के इस आदेश का मुख्य उद्देश्य राज्य की वित्तीय स्थिति को संतुलित रखना है।

सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि अक्सर यह देखा गया है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम महीनों में विभिन्न विभाग केवल बजट को व्यपगत होने से बचाने के लिए जल्दबाजी में ऐसी सामग्रियों की भी खरीदी कर लेते हैं, जिनकी तत्काल आवश्यकता नहीं होती। इस प्रवृत्ति से शासन की राशि अनावश्यक रूप से अवरुद्ध हो जाती है, जिसे वित्त विभाग ने शासन के हित में अनुचित माना है। नए नियमों के तहत विभागों को न केवल 15 फरवरी के बाद नए ऑर्डर देने से रोका गया है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि 15 फरवरी तक जारी किए गए सभी ऑर्डर्स का भुगतान हर हाल में 15 मार्च, 2026 तक पूरा कर लिया जाए। हालांकि, जनहित और आवश्यक सेवाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण मदों को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा है।

जेलों, सरकारी अस्पतालों, छात्रावासों और आश्रमों में भोजन, कपड़े और दवाइयों जैसी बुनियादी जरूरतों की खरीदी निर्बाध रूप से जारी रहेगी। इसी प्रकार, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के पोषण आहार और उसके परिवहन पर कोई रोक नहीं होगी। केंद्र सरकार की योजनाओं, विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं, नाबार्ड और सिडबी पोषित कार्यों के लिए भी छूट दी गई है। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग और वन विभाग जैसी निर्माण एजेंसियों को चल रही परियोजनाओं के लिए आगामी एक महीने की जरूरत के हिसाब से सामग्री खरीदने की अनुमति होगी। पेट्रोल, डीजल, वाहन मरम्मत और 5,000 रुपये तक के छोटे आकस्मिक व्यय भी इस दायरे से बाहर रहेंगे।

पर्यटन और एडवेंचर स्पोर्ट्स से युवाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री ने 10 रूपए की टिकट कटाकर मयाली नेचर कैंप में लिया एडवेंचर स्पोर्ट्स का आनंद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अलग अंदाज में नजर आए और उन्होंने 10 रूपए का टिकट कटाकर जिले के लोकप्रिय पर्यटन स्थल मयाली नेचर कैंप में साहसिक खेल गतिविधियों का आनंद लिया और कई नए एडवेंचर स्पोर्ट्स की औपचारिक शुरुआत भी की। मुख्यमंत्री ने प्रवेश शुल्क अदा कर नेचर कैंप में प्रवेश करते हुए आम नागरिकों को नियमों के पालन और समानता का एक सशक्त संदेश दिया।

इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, विधायक श्रीमती गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कमर्चारी एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने 10 रूपए की टिकट कटाकर मयाली नेचर कैंप में एडवेंचर स्पोर्ट्स का आनंद लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान नेचर कैंप में विकसित अधोसंरचनाओं, सुरक्षा व्यवस्था, पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रकृति-आधारित पर्यटन एवं साहसिक गतिविधियां न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित करती हैं।

मुख्यमंत्री ने 4 नए एडवेंचर स्पोर्ट्स का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री साय ने मयाली नेचर कैंप में संचालित स्पोर्ट्स मोटर बाइक (एटीवी) को स्वयं चलाकर साहसिक पर्यटन का आनंद लिया। इसके साथ ही उन्होंने बंदूक से सटीक निशाना साधते हुए बैलून शूटिंग का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने आचर्री शूटिंग में तीर चलाकर निशाना साधा और इस खेल की भी शुरुआत की। साथ ही उन्होंने माउंटेन साइक्लिंग का शुभारंभ करते हुए स्वयं साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। नेचर कैंप में वॉल क्लाइंबिंग बोर्ड का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया।

इस दौरान वॉल क्लाइंबर तेज सिंह एवं तेजल भगत ने मुख्यमंत्री के समक्ष वॉल क्लाइंबिंग कर अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसकी मुख्यमंत्री ने सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय बॉक्स क्रिकेट में भी हाथ आजमाते हुए नजर आए और स्टेट ड्राइव व ऑफ साइड पर आकर्षक शॉट लगाए। मुख्यमंत्री ने मयाली नेचर कैंप स्थित कैक्टस गार्डन का अवलोकन किया, जहां विभिन्न प्रजातियों के कैक्टस लगाए गए हैं वनमंडलाधिकारी शशि कुमार ने कैक्टस के औषधीय महत्व की जानकारी दी।

अंतरिक्ष केंद्र बना युवाओं के लिए सपनों को पूरा करने की प्रयोगशाला : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

प्रदेश के सभी जिलों में खुलेंगे अंतरिक्ष संगवारी केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतरिक्ष केंद्र युवा सपनों को पूरा करने की प्रयोगशाला बनेगी। यह केंद्र प्रदेश के वैज्ञानिक भविष्य की मजबूत नींव है और पूरे प्रदेश में अंतरिक्ष केंद्रों का विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर के राखी में जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट अंतरिक्ष के तहत आयोजित अंतरिक्ष संगवारी कार्यक्रम में ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री श्री शुभांशु शुक्ला के साथ छत्तीसगढ़ के पहले अंतरिक्ष केंद्र का विधिवत शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश में अंतरिक्ष संगवारी पहल को विस्तार देते हुए सभी जिलों में अंतरिक्ष केंद्र खोले जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन एवं अंतरिक्ष यात्री डॉ. शुभांशु शुक्ला का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. शुभांशु शुक्ला जैसे व्यक्तित्व युवाओं के लिए प्रेरणा के प्रतीक हैं, जिनकी अंतरिक्ष यात्रा ने देश को गौरवान्वित किया है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि आज से उनके सपनों को पंख मिल रहे हैं और उनका आकाश और भी बड़ा हो गया है। यह अंतरिक्ष केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की प्रयोगशाला है, जहां वे विज्ञान को किताबों से बाहर निकालकर प्रयोग और अनुसंधान के माध्यम से समझ सकेंगे। उन्होंने जशपुर जिले के बच्चों द्वारा रॉकेट निर्माण की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उदाहरण बताता है कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उचित अवसर की होती है, जिसे यह केंद्र उपलब्ध कराएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल जिज्ञासा का विषय नहीं, बल्कि रोजगार और करियर का बड़ा क्षेत्र बन चुका है। इसरो की वैश्विक विश्वसनीयता के कारण भारत आज अंतरिक्ष की दुनिया में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आने वाले समय में यह केंद्र बच्चों को सैटेलाइट निर्माण, ट्रैकिंग, मौसम पूर्वानुमान, क्लाउड मैपिंग जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण देगा। उन्होंने कहा कि इस अंतरिक्ष केंद्र से किसानों को सटीक मौसम और फसल संबंधी जानकारी मिलेगी, जिससे कृषि को सीधा लाभ होगा। साथ ही, तकनीक आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं का महानगरों की ओर पलायन रुकेगा। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में सैटेलाइट तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और भविष्य में इस क्षेत्र में स्पेस साइंस का महत्व और बढ़ेगा।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब रॉकेट लॉन्च होता है, तो उसमें अत्यधिक ऊर्जा लगती है और कुछ ही समय में शून्य से लगभग 30 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष तक पहुंचा जाता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ को ऊर्जावान प्रदेश बताते हुए कहा कि यहां के बच्चों में अपार क्षमता और जिज्ञासा है। उन्होंने मुख्यमंत्री का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रदेश में अंतरिक्ष केंद्र का शुभारंभ बच्चों को स्पेस साइंस से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि क्लीन स्टेशन के उद्घाटन के दौरान मैंने देखा कि मुख्यमंत्री स्टेशन में प्रवेश से पहले स्वयं विशेष ड्रेस व कैप को पहन रहे थे। मुझे यह देखकर बड़ी खुशी हुई कि राज्य का मुखिया जब स्वयं ऐसी रुचि दिखाता है, तो यह बच्चों और युवाओं के भविष्य को लेकर उनकी स्पष्ट और भविष्योन्मुखी सोच को दर्शाता है।

अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने 5 सितंबर 2025 को प्रदेश के विद्यार्थियों से हुए ऑनलाइन संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान छत्तीसगढ़ के एक बच्चे ने उनसे पूछा था कि आपने सब कुछ बताया, लेकिन यह बताइए कि प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया होमवर्क आपने पूरा किया या नहीं। उन्होंने कहा कि यह प्रश्न बच्चों की तीक्ष्ण बुद्धि और बारीक नजर को दर्शाता है।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने कहा कि 41 वर्षों के बाद भारत ने दोबारा अंतरिक्ष में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और यह यात्रा केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरे भारत की यात्रा थी। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में 20 दिनों के प्रवास के दौरान उन्होंने पृथ्वी की 320 बार परिक्रमा की और लगभग 1.4 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की। अंत में उन्होंने अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार परिश्रम करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री श्री साय ने डॉ. शुभांशु शुक्ला के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बच्चों से आह्वान किया कि वे बड़े सपने देखें, विज्ञान से दोस्ती करें और छत्तीसगढ़ का नाम देश-दुनिया में रोशन करें। कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि अंतरिक्ष यात्री डॉ. शुभांशु शुक्ला को अपने बीच पाकर सभी स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने देश के युवाओं को नई दिशा दी है और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है।

वन एवं संसदीय कार्य मंत्री व जिला के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह पहल सरकार की दूरदर्शी सोच का परिचायक है, जो आने वाली पीढ़ी को भविष्य की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है। उ मंत्री श्री कश्यप ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ वैज्ञानिक सोच को भी प्रोत्साहित करते हैं। श्री शुक्ला को डीपीएस, सैनिक स्कूल राजनांदगांव के बच्चों ने पोटर्रेट भेंट किया।

कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू, विधायक अनुज शर्मा, विधायक इंद्र कुमार साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु, भवन एवं सन्निर्माण कमर्कार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप सहित गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चें मौजूद रहे।

साय मंत्रिमंडल के फैसले पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया

- **सरकार अपनी विफलता छुपाने नये उपाय ढूंढती है**
- **निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने मोबाईल टॉवर लगाने का फैसला**

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

साय मंत्रिमंडल के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार अपनी नाकामियां छुपाने नये उपाय ढूंढती है। नशे का कारोबार नहीं रोक पाना सरकार की विफलता है। अंततः सरकार ने मान लिया कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद नशे का कारोबार फूल-फल रहा है इसीलिए सरकार को अब नारकोटिक्स टास्क फोर्स गठित करने की जरूरत महसूस हो रही है। पुलिस और आबकारी विभाग का भारी भरकम अमला नशे का कारोबार रोकने में असफल साबित हुआ है। यह सरकार अपनी अक्षमता छुपाने के लिए नये प्रयोग करती है, प्रदेश और राजधानी की कानून व्यवस्था सरकार से संभल नहीं पा रही थी तो राजधानी में पुलिस की कमिश्नरी प्रणाली लागू कर दिया, उसके बावजूद राजधानी में हत्या, चाकूबाजी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मंत्रिमंडल ने नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-26 भी पूरी तरह से कल्पनाओं पर आधारित है, इसमें भी राज्य के युवा उद्यमियों को प्राथमिकता देने की बात नहीं की गयी है, जबकि स्टार्टअप नीति में जो योजना बनाई जाए उसमें राज्य की प्रतिभा और राज्य के युवाओं को प्राथमिकता दी जानी थी।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मंत्रिमंडल डिजिटल संरचना के विकास के नाम पर दूरस्थ क्षेत्रों में जो मोबाईल टॉवर लगाने का निर्णय लिया है यह पूरी तरह से पिछले दरवाजे से निजी मोबाईल कंपनियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश है। रमन सरकार ने भी बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाईल टॉवर लगाया था, बाद में उसका उपयोग जीयो ने किया। इस बार भी कुछ वही करने जा रहे। छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति में भी ग्लोबल प्रतिस्पर्धा समाप्त करने की कोशिश की। इससे स्पष्ट हो रहा कि किसी निजी कंपनी के इशारे पर छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति बनाई गयी है।

कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि धान खरीदी के अंतर राशि के बारे में भी मंत्रिमंडल ने कोई फैसला नहीं लिया मतलब किसानों को अपने पैसे के लिए इंतजार करना होगा।

बैठक | कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार विभाग की समीक्षा

कौशल उन्नयन से जोड़कर युवाओं को बनाएं आत्मनिर्भर : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे युवाओं को अधिक से अधिक कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं। श्री साय ने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में नए-नए उद्योग स्थापित होने वाले हैं, इन उद्योगों में युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने महानदी भवन मंत्रालय में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में रोजगार मेले का आयोजन करें। बैठक में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव विकासशील सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने और तकनीकी संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए विशेष रूप से जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीआई के आधुनिकीकरण से युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण मिलेगा और राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने सीएसएसडीए एवं राज्य परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी के एकीकरण के प्रस्ताव पर सहमति दी और शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलों में सहायक निदेशक एवं सहायक परियोजना अधिकारियों की युक्तियुक्त पदस्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों में आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशिक्षित युवाओं से फीडबैक हेतु विकसित ज्तंपदमम थ्ममकइंबा मॉड्यूल को और सशक्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2013 से अब तक 4 लाख 90 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 2 लाख 71 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में राज्य में 356 प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाएं (वीटीपी) एवं 207 पंजीकृत कोर्स संचालित हैं। केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सेतु योजना के अंतर्गत राज्य में हब-एंड-स्पोक मॉडल पर 6 क्लस्टर का चयन किया गया है, जिसके माध्यम से आईटीआई के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण हेतु लगभग 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसमें केंद्र सरकार की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत, राज्य सरकार की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तथा उद्योगों की हिस्सेदारी न्यूनतम 17 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लिए पीएम जनमन योजना अंतर्गत 9 जिलों में लगभग 1,700 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई। वहीं आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास हेतु बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बस्तर सहित जिलों में 600 से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा गया है। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 में गत वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव, सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, विभागीय सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, उद्योग सचिव रजत कुमार, श्रम सचिव हिमशिखर गुप्ता, संचालक तकनीकी शिक्षा रोजगार एवं प्रशिक्षण विजय दयाराम के., स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अरूण अरोरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में खुलेंगे 4 नए उप पंजीयक कार्यालय, भखारा, लवन, सकरी और राजकिशोर नगर को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में आम नागरिकों को रजिस्ट्री एवं पंजीयन से जुड़ी सेवाएं सहज, सुलभ और समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रजिस्ट्रीकरण अधिनियमझ1908 के प्रावधानों के तहत भखारा (जिला धमतरी), लवन (तहसील मुख्यालय, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा), सकरी एवं राजकिशोर नगर (बिलासपुर) में चार नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धमतरी जिला के भखारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने हेतु प्रशासकीय स्वीकृत दी गई है। इसी प्रकार जिला पंजीयक बलौदाबाजार-भाटापारा के अंतर्गत तहसील मुख्यालय लवन और बिलासपुर जिले के राजकिशोर नगर एवं सकरी में उप पंजीयक कार्यालय खोलने प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किया गया है।

इन नए उप पंजीयक कार्यालयों के खुलने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को रजिस्ट्री कार्य के लिए दूरस्थ जिला मुख्यालयों तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन की बचत होगी, भीड़ कम होगी तथा पंजीयन प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी बनेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और प्रशासनिक कार्यों में गति आने की भी संभावना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन की सेवाएं आम नागरिकों तक उनके निकटतम स्तर पर उपलब्ध हों। नए उप पंजीयक कार्यालयों की स्वीकृति से लोगों को पंजीयन संबंधी कार्यों में बड़ी राहत मिलेगी। यह निर्णय सुशासन की दिशा में एक और सशक्त कदम है, जिससे नागरिकों का समय बचेगा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदशिर्ता बढ़ेगी।

वित्त एवं वाणिज्य कर पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य हमारी सरकार नागरिक सुविधाओं के विस्तार को सवोर्च्च प्राथमिकता दे रही है। चार नए उप पंजीयक कार्यालयों की स्वीकृति इसी सोच का परिणाम है। नए उप पंजीयक कार्यालय खुलने से पंजीयन व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों को उनके क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी, जिससे प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और त्वरित होगी। उन्होंने बताया कि पंजीयन विभाग द्वारा 10 नए क्रांतिकारी सुधार लागू किए गए हैं, जिनका लाभ इन क्षेत्रों के नागरिकों को भी मिलेगा। इनमें ऑटो डीड जनरेशन, आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन, घर बैठे रजिस्ट्री, स्वतः नामांतरण, ऑनलाइन भारमुक्त प्रमाणपत्र, एकीकृत कैशलेस भुगतान, व्हाट्सएप आधारित सेवाएं, डिजीलॉकर एकीकरण, डिजी-डॉक सेवा तथा खसरा नंबर के माध्यम से ऑनलाइन सर्च एवं रजिस्ट्री डाउनलोड की सुविधा शामिल है। राज्य सरकार के इस निर्णय को जनहित में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे पंजीयन व्यवस्था अधिक विकेंद्रीकृत और प्रभावी बन सकेगी।

संपादकीय

देश की जनता जानती है, मजबूत पीएम कैसा होता है

देश में लोकतंत्र है और बुरी बात यह है कि बहुत सारे परिवारवादी राजनीतिक दल है,सारे तानाशाही पसंद करते हैं यानी परिवार जो चाहे वही सही, परिवार जो कहे वही सही, परिवार जो करे वही सही। ऐसे लोग कितनी लोकतंत्र बचाने व संविधान बचाने की बात करें लेकिन हकीकत में लोकतांत्रिक मूल्यों में संविधान में इनका कोई यकीन नहीं होता है ह्र देश में संसद के नियम होते हैं, परंपरा होती है और संसद नियम व परंपरा से चलता है। लेकिन परिवारवादी दल जब विपक्ष में होते हैं तो वह चाहते हैं कि संसद उनकी इच्छा से चले। संसद उनकी इच्छा से तो चल नहीं सकता इसलिए वह हंगामा कर संसद नहीं चलने देते हैं और अपने इस अलोकतांत्रिक आचरण को वह लोकतांत्रिक मानते हैं और चाहते हैं कि देश भी उनके इस आचरण को सही माने और वाहवाही करे।

इस देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हैं, इसलिए इस देश में जो भी नियम व कानून को नहीं मानता है तो देश के लोग उसकी आलोचना करते हैं और उसके साथ खड़े नहीं होते हैं।राहुल गांधी संविधान की प्रति लेकर घूमते है, बताते हैं कि देश में संविधान खतरे में है, वह संविधान के रक्षक है, संविधान क्या है कानून व नियम ही तो है। देश में सब कुछ कानून व नियम से चलता है। ऐसे में राहुल गांधी संसद में नियम के विपरीत होने के बाद भी चाहते हैं कि उनको नियम के विपरीत संसद में वह सब बोलने दिया जाए जो वह बोलना चाहते है। संसद में अनुभवी लोग उनको बता रहे हैं कि वह जो कुछ कहना चाहते हैं उसे कहने की इजाजत नही दी जा सकती क्योंकि नियम इसकी इजाजत नहीं देते हैं और नियम भी कोई मोदी सरकार के समय के बने हुए नहीं है, वह आजादी के बाद से बने हुए हैं और सब उसका पालन करते आए हैं और राहुल गांधी उसका पालन नहीं करना चाहते हैं।

सवाल उठना स्वाभाविक है कि राहुल गांधी संसद में क्या कहना चाहते हैं,क्यों कहना चाहते हैं. संसद के भीतर उनको जो बोलने नहीं दिया गया वह संसद के बाहर भी तो कह सकते हैं लेकिन दूसरों को डरपोक कहने वाले राहुल गांधी संसद के बाहर वह नहीं कह सके जो वह संसद के भीतर कहना चाहते हैं। क्योंकि वह खुद डरपोक है,उनको डर है कि वह संसद के भीतर जो कह सकते है, वह संसद के बाहर कहेंगे तो उन पर मानहानि का केस हो सकता है और ऐसे कई मामलों में उनको सुप्रीम कोर्ट से फटकार लग चुकी है और माफी मांगनी पड़ी है। राहुल गांधी जानते हैं कि संसद के भीतर वह जो कुछ कहना चाहते हैं, उसके बाद उन पर बाहर कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकता लेकिन संसद के बाहर वह कुछ कहते हैं तो उन पर मानहानि का केस किया जा सकता है।

राहुल गांधी संसद के भीतर क्या करना चाहते है, यह कोई छिपी हुई बात तो हैं नहीं, वह एक मैगजीन मे छपी लेख के आधार पर संसद के भीतर पीएम मोदी को डरपोक पीएम कहना चाहते हैं, वह बताना चाहते हैं कि चीन का सामना पीएम मोदी ने गलवान में ठीक से नहीं किया.यह कोई नई बात नहीं है, राहुल गांधी तो जब मौका मिलता है वह पीएम मोदी को डरपोक कहते हैं, लेकिन उनके कहने से तो पीएम मोदी को जनता डरपोक नहीं मान सकती क्योंकि जनता जानती है कि डरपोक पीएम तो तब देश में थे, जब देश की संसद पर हमला हुआ था और देश के पीएम पाकिस्तान के खिलाफ कुछ नही कर पाए थे जबकि सेना पाकिस्तान पर हमला करने के आदेश का इंतजार कर रही थी। तब पीएम ने हमले का आदेश क्यों नहीं दिया था यह सारा देश जानता है। अमरीका चाहता था भारत पाकिस्तान पर हमला न करे इसलिए तत्कालीन पीएम ने हमले का आदेश सेना को नहीं दिया था।

राहुल गांधी संसद के भीतर क्या संसद के बाहर कितनी बार भी कह लें कि पीएम मोदी डरपोक पीएम हैं, वह चीन से डरते हैं, लेकिन देश की जनता उनकी इस बात पर यकीन करने वाली नहीं है, उसने देखा है कि इस देश में चीन को भाई बताकर चीन से हारने वाले पीएम कैसे होते है, पाकिस्तान के आतंकवादी हमलों का जवाब इस डर से नहीं देने वाले पीएम देखें हैं कि देश के मुसलमान नाराज हो जाएंगे।इस देश ने पहली बार देखा देश का पीएम मजबूत हो तो पाकिस्तान को एक नहीं कई बार कैसे जवाब दिया जाता है. देश के लोगों ने पहली बार देखा है कि आतंकवादी हमला देश में होने पर कैसे पाकिस्तान में बिना घुसे आतंकवादियों के ठिकाने नष्ट किए जा सकते हैं। इस देश के लोगों ने पहली बार देखा है कि मजबूत पीएम वह होता है जो देश की रक्षा के लिए सेना को खुली छूट देता है और सेना खुली छूट पाकर दुश्मन देशों को कैसा जवाब देती है।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है सम्पन्न

प्रहलाद सबनानी

27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को ह्मदर आफ ऑल डील्सह्व कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दर्शाता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा।

भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी।

भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, चमड़ा उत्पादों का बाजार 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जेम्स एवं ज्वेलरी का बाजार 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। 27 देशों में इस विशाल क्षेत्र में भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एवं अन्य उत्पादों को प्रवेश मिलने से भारत में श्रम आधारित कई सूक्ष्म, छोटी एवं मध्यम इकाईयों को लाभ होने जा रहा है। लगभग इसी प्रकार का लाभ अन्य क्षेत्रों यथा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा उत्पाद, खिलौना उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी उत्पाद, केमिकल उत्पाद, फर्नीचर उत्पाद आदि, में कार्यरत इकाईयों की भी होने जा रहा है। इन क्षेत्रों में कार्यरत विनिर्माण इकाईयों के व्यापार में वृद्धि का आश्य सीधे सीधे अधिक श्रमबल की आवश्यकता होना भी है, जिसकी पूर्ति आज विश्व में केवल भारत ही कर सकता है।

रक्षा के क्षेत्र में भारत बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत का अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करने का है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों को सुरक्षा के सम्बंध में अमेरिका पर निर्भर नहीं रहते हुए अपने पैरों पर खड़े होने की सलाह दी है। अतः यूरोपीय देश अपने सुरक्षा बजट में अत्यधिक वृद्धि करने का विचार कर रहे हैं। भारत के लिए ऐसे समय पर उक्त मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना एक सुनहरे अवसर के रूप में सामने आया है। इससे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादन कर रही भारतीय कम्पनियों को यूरोपीय यूनियन का अति विशाल बाजार मिलने जा रहा है। इसी के साथ ही यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीकी का हस्तांतरण भारतीय कम्पनियों को सम्भव हो सकेगा। कुल मिलाकर यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों के साथ सम्पन्न किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते से भारत के लिए अतिलाभप्रद स्थिति बनने जा रही है।

आत्मविश्वास, संघर्ष और आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं अल्पना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की मिसाल: बहरासी की अल्पना सिंह ने स्व-रोजगार से रचा सफलता का इतिहास

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत बहरासी की निवासी श्रीमती अल्पना सिंह आज ग्रामीण अंचल में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की एक सशक्त पहचान बन चुकी हैं। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा, लेकिन मजबूत इच्छाशक्ति, परिश्रम और स्व-सहायता समूह से मिले सहयोग ने उनके सपनों को साकार कर दिया। अल्पना सिंह की यह कहानी न केवल एक महिला की सफलता की दास्तान है, बल्कि यह उन हजारों ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने का साहस रखती हैं।

ग्राम बहरासी में सामान्य पारिवारिक परिस्थितियों में जीवन यापन कर रही अल्पना सिंह के लिए परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करना एक बड़ी चुनौती थी। सीमित आय के कारण बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और भविष्य की योजनाएं अधूरी सी लगती थीं। इसी दौरान वे छमता महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ना उनके जीवन का एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बचत, ऋण, सामूहिक सहयोग और आत्मविश्वास का महत्व समझ में आया।

वर्ष फरवरी 2017 में अल्पना सिंह ने सीआईएफ एवं बैंक लिंकेज ऋण के माध्यम से कुल 60,000 रुपये की ऋण राशि प्राप्त की। इस पूंजी को उन्होंने किसी अनावश्यक खर्च में न लगाकर, एक स्थायी आजीविका के रूप में किराना जनरल स्टोर प्रारंभ करने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनके जीवन को नई दिशा देने वाला साबित हुआ। छोटे स्तर से शुरू की गई इस दुकान में उन्होंने रोजमर्रा की जरूरतों का सामान उपलब्ध कराना शुरू किया, जिससे गांव के लोगों को सुविधा मिली और उनका व्यवसाय धीरे-धीरे बढ़ने लगा। दुकान के संचालन में अल्पना सिंह ने पूरी ईमानदारी, अनुशासन और ग्राहकों के प्रति विश्वास को प्राथमिकता दी। समय पर दुकान खोलना, उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सामान देना और ग्राहकों से मधुर व्यवहार करना उनकी पहचान बन गया। इसी का परिणाम है कि आज उनका जनरल स्टोर गांव में भरोसे का केंद्र बन चुका है। वर्तमान में उन्हें इस व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 5,000 से 8,000 रुपये तक की नियमित आय प्राप्त हो रही है।

इस आय से अल्पना सिंह ने न केवल समय पर ऋण की किश्तें चुकाईं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ किया। बच्चों की शिक्षा, घर के खर्च, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें और सामाजिक दायित्व को अब वे आत्मनिर्भर होकर निभा रही हैं। आज उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, बल्कि वे स्वयं दूसरों को सहयोग करने की स्थिति में हैं। अल्पना सिंह की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उन्होंने स्वयं में आए बदलाव को समाज तक पहुंचाया। वे अब अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़ने, बचत करने और स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

आज अल्पना सिंह केवल एक किराना दुकान संचालिका नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर ग्रामीण महिला उद्यमिता की सशक्त पहचान हैं। उनका संघर्ष, समर्पण और सफलता यह संदेश देती है कि यदि महिलाओं को अवसर, मार्गदर्शन और विश्वास मिले, तो वे अपने परिवार के साथ-साथ पूरे समाज की तस्वीर बदल सकती हैं।

'हौसलों की उड़ान: कठिनाइयों को पीछे छोड़ सिविल सेवा तक पहुचीं मधु साहू'

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रतिभा

मेहनत, आत्मविश्वास और सरकारी सहयोग से साकार हुआ दिव्यांग बेटी का सपना

संघर्ष, संकल्प और निरंतर मेहनत की मिसाल बन चुकी सुश्री मधु साहू ने यह सिद्ध कर दिया है कि शारीरिक चुनौती सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। 40 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांगता और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर छत्तीसगढ़ अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी (वित्त विभाग) के पद पर चयनित होकर अपने सपनों को साकार किया और प्रदेश के दिव्यांग युवाओं के लिए प्रेरणा बनीं।

रायगढ़ जिला के तमनार ग्राम की निवासी सुश्री मधु साहू ने प्रतिकूल परिस्थितियों को कभी अपने आत्मबल पर हावी नहीं होने दिया। नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और आत्मविश्वास के साथ उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रखी। शारीरिक कठिनाइयों के बीच भी उनका संकल्प अडिग रहा और यही निरंतर मेहनत उनकी सफलता की नींव बनी। उनकी इस उपलब्धि पर समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'क्षितिज अपार संभावनाएं' सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पात्र पाए जाने पर 50 हजार रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई। यह आर्थिक सहयोग उनके लिए केवल राशि नहीं, बल्कि उनके संघर्ष और परिश्रम की सरकारी स्वीकृति है।

प्रोत्साहन राशि प्राप्त होने के पश्चात सुश्री मधु साहू ने भावुक होकर कहा कि इस सहयोग से उन्हें न केवल आर्थिक संबल मिला, बल्कि यह विश्वास भी मजबूत हुआ कि राज्य शासन उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि यह प्रोत्साहन उनकी आगे की तैयारी और जिम्मेदारियों को निभाने में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास देगा। सुश्री मधु साहू ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, शिक्षकों तथा जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग को देते हुए आभार व्यक्त किया। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि मेहनत जब संकल्प से जुड़ती है और शासन की संवेदनशील नीतियों का साथ मिलता है, तो हर 'असम्भव' सम्भव बन जाता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) ने बदली दीक्षा सोनी की जिंदगी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) जरूरतमंद परिवारों के लिए केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव साबित हो रही है। नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 56, आमापारा, बघेरा निवासी दीक्षा सोनी की जीवन गाथा इस योजना की सफलता की सजीव मिसाल है।

साधारण आर्थिक स्थिति वाले परिवार से जुड़ी दीक्षा सोनी का जीवन वर्षों तक संघर्षों से भरा रहा। ज्वेलर्स के कार्य पर निर्भर परिवार की सीमित आय के चलते वे अपने परिवार के साथ किराये के छोटे से मकान में रहने को मजबूर थीं। हर माह किराया चुकाने की चिंता, मकान मालिक की शर्तें और अस्थायी जीवन की मजबूरी ने उनके मन में हमेशा असुरक्षा की भावना बनाए रखी।

त्योहार हों या बरसात का मौसम, एक ही सवाल मन में उठता था कब होगा हमारा भी अपना घर? किराये के मकान में रहते हुए बच्चों का भविष्य, परिवार की सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की कल्पना करना भी कठिन लगता था। कई बार हालात इतने मुश्किल हो जाते थे कि अपने घर का सपना अधूरा ही प्रतीत होता था, लेकिन दीक्षा सोनी ने कभी हार नहीं मानी। इसी संघर्षपूर्ण समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) उनके लिए आशा की नई किरण बनकर सामने आई। योजना की जानकारी मिलते ही उन्होंने पूरे विश्वास के साथ आवेदन किया। शासन और नगर पालिक निगम के सहयोग से उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और आवास निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त हुई।

वर्ष 2025-26 में जब उनके स्वयं के पक्के घर का निर्माण पूर्ण हुआ, तो वह क्षण उनके जीवन का सबसे भावुक और अविस्मरणीय पल बन गया। अपने घर की दहलीज पर पहला कदम रखते ही वर्षों की पीड़ा, संघर्ष और असुरक्षा आँसुओं में बदल गई। वह घर केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक है।

आज दीक्षा सोनी अपने परिवार के साथ एक सुरक्षित, स्वच्छ और स्थायी आवास में खुशहाल जीवन जी रही हैं। अब न किराये की चिंता है और न भविष्य को लेकर भय। उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और जीवन में नई स्थिरता आई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) ने दीक्षा सोनी को केवल एक घर नहीं दिया, बल्कि आत्मसम्मान, नई पहचान और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखी है। यह योजना वास्तव में उन लाखों परिवारों के सपनों को साकार कर रही है, जो वर्षों से अपने घर की प्रतीक्षा कर रहे थे। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 जहाँ सपनों को मिलता है अपना ठिकाना।

छत्तीसगढ़ की जैव विविधता में जुड़ा नया अध्याय, मरवाही रेंज में दिखा दुर्लभ वन्यजीव हनी बैजर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हनी बैजर भारत में बहुत ही सीमित क्षेत्रों में पाया जाता है और इसे दुर्लभ प्रजातियों में गिना जाता है। यह अपनी असाधारण बहादुरी, आक्रामक स्वभाव और मजबूत त्वचा के लिए जाना जाता है। मधुमक्खियों के छत्तों से शहद निकालकर खाने की आदत के कारण इसे हनी बैजर कहा जाता है। मरवाही वनमंडल के मरवाही रेंज अंतर्गत उसाड़ गांव क्षेत्र में दुर्लभ वन्यजीव हनी बैजर (रैटल) का जोड़ा देखे जाने से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों द्वारा मोबाइल से लिए गए फोटो और वीडियो के माध्यम से इस दुर्लभ जीव की उपस्थिति की पुष्टि हुई है ।भारत के सीमित क्षेत्रों में पाए जाने वाले हनी बैजर का मरवाही क्षेत्र में दिखाई देना यहां की समृद्ध जैव विविधता और सुदृढ़ होते पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है।

दुर्लभ वन्यजीवों को सुरक्षित प्राकृतिक आवास उपलब्ध

उल्लेखनीय है कि वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डे के नेतृत्व में प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण हेतु संचालित योजनाओं और सतत प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के चलते दुर्लभ वन्यजीवों को सुरक्षित प्राकृतिक आवास उपलब्ध हो पा रहा है। राज्य शासन की प्राथमिकता वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण की है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं समृद्ध पर्यावरण मिल सके।

हनी बैजर के जोड़े को सुरक्षित रूप से जंगल की ओर किया गया रवाना

दुर्लभ वन्यजीव हनी बैजर (रैटल) की उपस्थिति की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सुरक्षात्मक कार्रवाई करते हुए हनी बैजर के जोड़े को सुरक्षित रूप से जंगल की ओर रवाना किया गया। इस दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि या पशुहानि नहीं हुई। विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ कर दी गई है। हनी बैजर अपनी असाधारण साहसिक प्रवृत्ति, मजबूत त्वचा और रात्रिचर स्वभाव के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर मरवाही वनमंडलाधिकारी श्रीमती ग्रीष्मी चांद ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे वन्यजीवों के पास न जाएं और न ही उन्हें परेशान करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी वन्यजीव के दिखने पर तत्काल वन विभाग को सूचित करें।

गौरतलब है कि हनी बैजर, बड़े शिकारी जानवरों की तुलना में अपेक्षाकृत छोटा होने के बावजूद, हनी बैजर लड़ाई से पीछे नहीं हटता, यहाँ तक कि अपने से कई गुना बड़े जानवरों से भी। शेर, लकड़बग्घे और यहाँ तक कि जहरीले साँप भी हनी बैजर के दृढ़ रवैये और प्रभावशाली जीवन रक्षा कौशल के कारण उससे दूर भाग जाते हैं।

फेक कंटेंट पर भूमि पेडनेकर ने रखी अपनी राय

भूमि पेडनेकर की क्राइम बेस्ड सीरीज दलदल में उनके किरदार की दर्शक काफी तारीफ कर रहे हैं। बचपन के ट्रामा और मानसिक हालत को जोड़ कर बनी हुई ये सीरीज कई परतें खोलती हैं। भूमि की वेब सीरीज दलदल में आज के दौर में समाज में हो रहे अपराध के पीछे के कारण को भी दिखाया गया है। भूमि से जब उनके सबसे बड़े दलदल के बारे पूछा गया तो भूमि ने कहा, मेरा सबसे बड़ा दलदल इंटरनेट स्क्रोलिंग था। मुझे सोशल मीडिया यूज करते वक्त पता ही नहीं चलता था कि कब कितना समय निकल गया? यह एक ऐसी आदत थी जिससे बाहर निकलना जरूरी था और मैंने इसे धीरे-धीरे बदला भी। आज सोशल मीडिया एक बेहद डरावनी जगह बन गया है। सोशल मीडिया पर अगर किसी के बारे में एक बार कुछ गलत कह दिया जाए तो बाकी लोग भी वही दोहराने लगते हैं और वह चीज एक ट्रेंड बन जाती है। लोगों के लिए जागरुक रहना और खुद को इस दलदल से बाहर निकालना जरूरी है।

बतौर एंटरप्रेन्योर इस फील्ड में जाएंगी भूमि

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बातचीत के दौरान सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर भी चर्चा की। बतौर एंटरप्रेन्योर,जब भूमि से ये पूछा गया कि क्या एक सच और झूठ बता देने वाला प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, यह वाकई एक बहुत अच्छा आइडिया है। मेरे मन में अक्सर आता है कि काश ऐसा कोई स्टार्टअप या प्लेटफॉर्म हो जो सिर्फ फैक्ट चेक पर काम करे। जहां लोग अपनी तरफ से भी वीडियो या जानकारी भेज सकें और यह प्लेटफॉर्म एआई या एक्सपर्ट्स की मदद से तुरंत बता सके कि यह सच है या झूठ। कई मीडिया हाउस फैक्ट चेक करते हैं जोकि बहुत अच्छा काम है। मैं खुद भी एक एंटरप्रेन्योर हूं और शायद आगे चलकर इस फील्ड में कुछ करना चाहूंगी।

क्या रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' में हुई यामी गौतम की एंट्री?

'धुरंधर: द रिवेंज' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, लेकिन लोगों ने इसकी काफी आलोचना की, क्योंकि इसमें पहले भाग के क्लाइमेक्स सीन ही ज्यादा दिखाए गए हैं। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार 'धुरंधर' के सीक्वल में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं?

क्या होगी यामी गौतम की भूमिका?

पिंकविला की एक खबर के अनुसार, यामी गौतम 'धुरंधर: द रिवेंज' में एक खास कैमियो रोल में नजर आएंगी। उनका किरदार एक्शन से भरपूर और कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। यामी ने इस रोल के लिए लगभग 5 दिन की शूटिंग की है। हालांकि ये कैमियो है, लेकिन ये इतना खास और सरप्राइजिंग होगा कि दर्शक चौंक जाएंगे। यामी ने 'काबिल', 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक', 'ए थर्सडे', 'आर्टिकल 370', 'बाला' जैसी फिल्मों में दमदार रोल के अलावा हाल ही में 'हक' में भी सराहना बटोरी है।

क्या विक्की कौशल आएंगे नजर?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल अपनी 2019 की फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' वाले किरदार मेजर विहान सिंह शेरगिल को फिर से निभा सकते हैं। निर्देशक आदित्य धर ने दोनों कहानियों के समय में फर्क होने के बावजूद 'उरी' का एक ट्रैक शामिल किया है। इसमें कुछ एक्शन सीन होंगे, लेकिन ये साफ नहीं है कि विक्की का किरदार रणवीर सिंह के किरदार से मिलेगा या नहीं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में इस अफवाह को खारिज भी किया गया है।

कैसी होगी 'धुरंधर 2'

पहली फिल्म 'धुरंधर' 2025 में सुपरहिट रही थी। अब इस सीक्वल में ज्यादा डार्क, एक्शन और प्रतिशोध की कहानी होगी। फोकस रणवीर सिंह के किरदार जसकिरत सिंह रंगी (जो हमजा के नाम से भी जाना जाता है) की असली पहचान और उसके अगले मिशन पर होगा। पहली फिल्म में रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) की मौत के बाद, अब हमजा बड़े साजिशकर्ताओं खासकर 'बड़े साहब' को पकड़ने की कोशिश करेगा। फिल्म में आर. माधवन (इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर अजय सान्याल) की भूमिका और बड़ी होगी। वो हमजा को एडवांस ट्रेनिंग देंगे। कुल मिलाकर, ये सीक्वल पहले से ज्यादा एक्शन और रिवेंज वाली होगी।

29 साल बाद 'इक्का' में साथ दिखेंगे सनी देओल-अक्षय खन्ना

1997 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर' में एक साथ सनी देओल और अक्षय खन्ना नजर आए थे। अब 29 साल बाद दोनों एक साथ कोर्ट रूम ड्रामा मूवी 'इक्का' में साथ नजर आने वाले हैं। जिसकी खास झलक आज जारी की गई है। जिसे देखने के बाद फैंस बहुत उत्साहित हैं।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी 'इक्का'

नेटफ्लिक्स ने मंगलवार को एक खास इवेंट में अपनी नई फिल्म 'इक्का' का नाम और फर्स्ट लुक जारी किया। इस फिल्म में सनी देओल और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिकाओं में हैं। दोनों अभिनेता इस इवेंट में नही पहुंचे। लेकिन नेटफ्लिक्स पर इसकी झलक देखने के बाद फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्सुक हैं।

क्या है फिल्म 'इक्का'?

यह सनी देओल की ओटीटी (नेटफ्लिक्स) पर पहली फिल्म है। 'इक्का' एक कोर्टरूम थ्रिलर है। कहानी एक ईमानदार और मशहूर वकील की है, जिसे मजबूरी में एक हत्या के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। यह आरोपी वही व्यक्ति है, जिसके करियर को उस वकील ने पहले बर्बाद कर दिया था। वकील को केस जीतने के लिए हर तरह के तरीके अपनाने पड़ते हैं- चाहे वे सही हों या गलत, क्योंकि हारने पर वह सब कुछ खो देगा। फिल्म में तिलोतमा शोम, दीया मिर्जा और अन्य कलाकार भी हैं। 'इक्का' जल्द ही सिर्फ नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

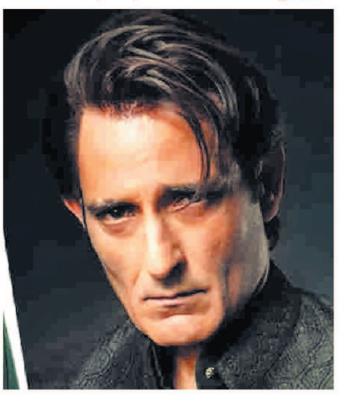

राम गोपाल वर्मा ने रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' के टीजर पर दी प्रतिक्रिया

आदित्य धर की रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर 2', जिसे 'धुरंधर: द रिवेंज' के नाम से भी जाना जाता है, का टीजर आज मंगलवार को जारी किया गया, जिस पर राम गोपाल वर्मा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। राम गोपाल वर्मा ने इसके साथ रिलीज हो रही फिल्म के लिए भी खास बात लिखी है।

राम गोपाल वर्मा को पोस्ट

मंगलवार को रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' का टीजर जारी किया गया। टीजर रिलीज के कुछ देर बाद राम गोपाल वर्मा ने अपने ङ्क (ट्विटर) अकाउंट पर इसे शेयर करते हुए लिखा, 'यह बदला नहीं, बल्कि आदित्य धर फिल्म्स का रैम्पेज (तूफान) है। यश की 'टॉक्सिक' की ओर इशारा राम गोपाल वर्मा की इस पोस्ट से लग रहा है कि वह बिना नाम लिए कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' की तरफ इशारा कर रहे हैं, क्योंकि यह दोनों फिल्में 19 मार्च 2026 को एक साथ रिलीज होंगी और बॉक्स ऑफिस पर टक्कर लेंगी।

कब रिलीज हो रही है 'धुरंधर 2'

'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के अलावा सारा अर्जुन, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, और संजय दत्त जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म हिंदी के साथ-साथ दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी रिलीज होगी। कहानी पहले भाग की बची हुई रिवेंज पर आधारित है। दूसरी तरफ, 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं, साथ में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, और बाकी कलाकार हैं। यह यश की 'केजीएफ' के बाद बड़ी फिल्म है। दोनों फिल्मों के बीच 19 मार्च को बड़ा बॉक्स ऑफिस क्लैश होने वाला है।

धनुष मेरे लिए भाई की तरह....

इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा है कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। अब धनुष के साथ शादी की खबरों पर मृणाल ठाकुर की ओर से प्रतिक्रिया आई है।

धनुष मेरे लिए भाई समान

सोशल मीडिया पर मृणाल ठाकुर का एक लंबा-चौड़ा स्टेटमेंट वायरल हो रहा है। इसको अभिनेत्री के फैन पेज पर शेयर किया गया, इसके बाद ये वायरल है। इस स्टेटमेंट में मृणाल ठाकुर के हवाले से कहा गया है, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरा काम मेरी पहचान बने, न कि गपशप। फिर भी आज मैं खुद को ऐसी कहानियों से जुड़ा हुआ पाती हूं जो मैंने कभी नहीं लिखीं, ऐसी बातचीत जो मैंने कभी नहीं कीं और ऐसे फैसले जो मैंने कभी नहीं लिए। हाल ही में, एक तथाकथित शादी को लेकर कंट्रोवर्सी चर्चा में है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि धनुष हमेशा से मेरे लिए भाई समान रहे हैं। हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। फिर भी मुझे आश्चर्य होता है कि लोग किसी महिला के निजी जीवन के बारे में कहानियां गढ़ने के लिए इतने उत्सुक क्यों रहते हैं, बजाय इसके कि उसके जीवन के सफर को समझें।'

अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

अभिनेत्री की ओर से इस स्टेटमेंट में आगे कहा गया, 'मैं चुप रहना इसलिए नहीं चुनती क्योंकि मुझे कुछ छिपाना है। बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि मेरे निजी जीवन को सार्वजनिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। मैंने ऑडिशन, अस्वीकृति, लंबी रातों और अटूट आत्मविश्वास के दम पर आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उस सफर को अफवाह तक सीमित करना गलत है। सोशल मीडिया हर किसी को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी मांगता है। कुछ विलक, लाइक और शेयर भले ही नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन वे ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जो असल लोगों को प्रभावित करती हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं, इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।' सोशल मीडिया पर वायरल मृणाल ठाकुर का ये स्टेटमेंट उनके किसी ऑफिशियल पेज पर नहीं है। न तो इंस्टाग्राम पर मौजूद है और न ही एक्स पर। यही नहीं इस बयान को लेकर मृणाल ठाकुर की टीम की ओर से भी ये स्पष्ट किया गया कि अभिनेत्री ने ऐसा कोई स्टेटमेंट नहीं दिया है। ये पूरी तरह से फेक है। जिससे ये स्पष्ट होता है कि धनुष को भाई बताने वाला मृणाल का ये बयान असली नहीं है, बल्कि सिर्फ फेक है। ये बयान मृणाल या उनकी टीम की ओर से नहीं दिया गया है।

शादी की खबरों को खारिज कर चुकी हैं मृणाल

हालांकि, मृणाल ठाकुर 14 फरवरी को अपनी शादी की खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। वो कई बार इन खबरों को सिर्फ अफवाह बता चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में भी जब मृणाल से धनुष के साथ शादी की खबरों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि अरे मुझे तो इनवाइट ही नहीं किया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर वेडिंग डेट भी आ गई है। वो कहती हैं कि आ गई? मुझे किसी ने इनवाइट ही नहीं किया। मुझे भी बुला लेते।

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल ठाकुर जल्द ही आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा मृणाल की पाइपलाइन में 'डकैत' भी है, इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

लैंगिक संवेदनशीलता से सामाजिक समानता की ओर : मानव अधिकार पर आधारित राष्ट्रीय कायर्शाला आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अपोलो महाविद्यालय, अंजोरा, दुर्ग ने समाज कल्याण विभाग, दुर्ग और अपोलो महाविद्यालय के साथ एम.ओ.यू. संस्थान मितवा संकल्प समिति सरोना, रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में "Awareness to Action: Gender Sensitization for Social Equity as Human Right" विषय पर राष्ट्रीय कायर्शाला का आयोजन किया गया। कायर्शाला की शुरूवात मां सरस्वती की पूजा अचर्ना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कायर्शाला में मुख्य अतिथि ए.पी. गौतम (डिप्टी डायरेक्टर) समाज कल्याण विभाग, दुर्ग, महाविद्यालय के संचालक संजय अग्रवाल, डॉ. मनीष जैन, आशीष अग्रवाल एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सिद्धार्थ जैन तथा रिसोर्स पर्सन के रूप में सुश्री रवीना बरीहा (सदस्य, थर्ड जेंडर काउंसिल, भारत सरकार), विद्या राजपूत (सदस्य, जिला थर्ड जेंडर काउंसिल, रायपुर, छ.ग.), पॉपी देवनाथ (प्रोजेक्ट मैनेजर, गरिमा गृह सरोना, छ.ग.) व महाविद्यालय के आई. क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. राखी शर्मा, शिक्षकों एवं छात्राध्यापकों की उपस्थिति रहीं। कायर्शाला में संचालक संजय अग्रवाल ने सभी का स्वागत एवं अभिवादन किया तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सिद्धार्थ जैन ने कायर्शाला के उद्देश्य के बारे में बताया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एपी गौतम (डिप्टी डायरेक्टर) समाज कल्याण विभाग, दुर्ग ने कहा कि ये सब समाज से अलग नहीं बल्कि समाज का ही हिस्सा है। उन्होंने ये भी बताया कि इनके लिए समाजिक भवन निर्माण के लिए शासन की ओर से पुलगांव, दुर्ग में 3 हजार वर्गफीट जमीन की स्वीकृति दी है, शहरी एवं ग्रामीण विकास स्तर पर थर्डजेंडर के लिए टॉयलेट का निर्माण करवाये है। इस साल विभागीय पोर्टल पर 44 थर्डजेंडर पंजीकृत हुए है तथा इन्हें 105 सिलाई मशीन प्रदान की गयी है।

प्रथम तकनीकी सत्र में कायर्शाला के रिसोर्स पर्सन पॉपी देवनाथ ने अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए "ट्रांसमेन (Trans-Men) जीवन की चुनौतियाँ एवं लैंगिक सर्जरी" विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। इस सत्र में ट्रांसमेन के जीवन से जुड़ी व्यक्तिगत, सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की, लैंगिक सर्जरी से संबंधित प्रक्रियाओं, भ्रांतियों, वास्तविकताओं तथा मानसिक-शारीरिक सहयोग के महत्व को भी समझाया। उन्होंने कहा कि बच्चों के पालन पोषण में उन्हें बच्चा समझना महत्वपूर्ण है न कि बालक या बालिका।

द्वितीय तकनीकी सत्र में सुश्री विद्या राजपूत ने "ट्रांसजेंडर समुदाय की सामाजिक स्थिति" विषय पर अपने विचार साझा किये। इस सत्र में विद्या जी ने ट्रांसजेंडर समुदाय की सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं पारिवारिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। समाज में व्याप्त भेदभाव, असमानता और रूढ़ धारणाओं को रेखांकित करते हुए यह बताया कि किस प्रकार संवेदनशील सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण से एक सम्मानजनक एवं समावेशी समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस साल 2025 में 13 कॉन्सेटेबल चयनित हुए तथा बताया कि जो समाज में थर्ड जेंडर है उन्हें गरिमा गृह, सरोना रायपुर में शामिल कर उनके आवास, शिक्षा, स्वास्थ, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था की जाती है। इन्हे आर्थिक रूप से ही नहीं वरन मानसिक रूप से भी सशक्त किया जाता हैं।

तृतीय तकनीकी सत्र में सुश्री रवीना बरिहा ने थर्ड जेंडर के सुरक्षा अधिनियम पर चर्चा की। इस सत्र में ट्रांसजेंडर अधिकारों के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, अधिनियम के उद्देश्य, प्रमुख प्रावधानों एवं नियमावली की जानकारी दी, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पहचान पत्र, शिकायत निवारण एवं कानूनी संरक्षण से जुड़े अधिकारों को भी बताया। उन्होंने कहा कि समाज में दो ही लिंग की चर्चा की जाती रहीं है, लेकिन प्राचीन काल में, वेद पुराणों में भी तृतीय लिंग का वर्णन मिलता है। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्राध्यापकों द्वारा पुछे गये प्रश्नों का वक्ताओं ने सहज ढंग से उत्तर दिया। अंत में आई. क्यू.ए.सी समन्वयक डॉ. राखी शर्मा ने इस कायर्शाला में उपस्थित मुख्य अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकगणों एवं छात्राध्यापकों को धन्यवाद ज्ञापित कर कायर्शाला के समाप्ति की घोषणा की।

खास खबर

माता कौशल्या नेशनल अवार्ड की मांग

भिलाई। मध्य प्रदेश कालिदास राष्ट्रीय पुरस्कार की तरह छत्तीसगढ़ में भी माता कौशल्या राष्ट्रीय पुरस्कार शुरू करने की मांग संस्कृति सचिव डॉ. रोहित यादव से की गई। इस दौरान राज्य के प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी, बी.एल. सोनी, साहित्यकार मेनका वर्मा, फोटोग्राफर प्रवीण कालमेघ, गुंजन शर्मा एवं छत्तीसगढ़ से ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में प्रथम बोर्ड मेंबर डॉ. अंकुश देवांगन मौजूद थे। ज्ञात हो कि भारत के लगभग हर राज्यों में ललित कलाओं से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला को प्रमोट करने के लिए पुरस्कारों की व्यवस्था की गई है। लेकिन छत्तीसगढ़ में खैरागढ़ जैसा एशिया का पहला विश्वविद्यालय होने के बावजूद कोई पुरस्कार नहीं है। संस्कृति सचिव ने इसे बहुत ही अच्छी मांग बताया और कहा कि वे इस पर प्रमुखता से ध्यान देंगे।

कलाकारों ने संस्कृत सचिव के साथ हुई विस्तृत चर्चा में बताया कि माता कौशल्या छत्तीसगढ़ की रहने वाली थी। जिसके कारण यहां के समस्त निवासी भगवान श्रीराम को भांजे के रूप में पूजा करते हैं। और भांजे के चरण पखारने की प्रथा पूरे विश्व में यहीं पाई जाती है। मध्यप्रदेश कालिदास नेशनल अवार्ड की तरह यहां भी रामायण ग्रंथ में वर्णित श्लोकों के आधार पर पारंपरिक और लोककला में चित्र तथा मूर्तिकला की प्रतियोगिता की जा सकती है। डॉ. अंकुश देवानंद ने कहा कि वतर्मान में भारत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अभूतपूर्व दौर से गुजर रहा है। ऐसे में माता कौशल्या नेशनल अवार्ड की स्थापना प्रासंगिक है। इस पुरस्कार की मांग पर खैरागढ़ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं प्रोफेसरों और भारतीय कला जगत से जुड़े हुए समस्त कलाकारों ने हर्ष व्यक्त किया है।

बकायादारों के दुकानों को तत्काल किया गया सील

रायपुर। निगम के आयुक्त विश्वदीप, अपर आयुक्त राजस्व कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व जागृति साहू एवं नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार रायपुर निगम जोन 6 के राजस्व विभाग द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 58, 60 एवं 62 के क्षेत्र में बकायादार दुकानदारों पर नगर निगम जोन 6 राजस्व विभाग को बकाया कर अदायगी नहीं किये जाने के कारण वार्ड 58 क्षेत्र में 3, वार्ड 60 क्षेत्र में 1 और वार्ड 62 क्षेत्र में 1 इस प्रकार कुल 5 बकायादारों की सम्बंधित दुकानों को तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की नियमानुसार कड़ी कार्यवाही प्रक्रिया के अंतर्गत की गयी।

संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने किया अनुभव क्यू आर कोड लॉन्च

थाने की व्यवस्था के संबंध में आमजन दे सकेंगे सीधे पुलिस महानिरीक्षक को फीडबैक

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

बिलासपुर रेंज की पुलिस के लिए एक नवाचार के शुभारंभ का साक्षी बना। आज बिलासपुर पुलिस लाइन के चेतना हाल में संभाग आयुक्त सुनील जैन, पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग, जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं उक्कृतथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह की प्रत्यक्ष एवं रेंज के जिलों, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर चांपा, मुंगेली, जी पी एम, सारंगढ़ एवं सक्ती के पुलिस अधीक्षकों की वर्चुअली उपस्थिति के दौरान, "अनुभव" क्यू आर कोड का शुभारंभ किया गया। इस क्यू आर कोड को स्कैन करके आम जन थाने से, संबंधित अपना फीडबैक दे सकेंगे।

इस अवसर पर आईजीपी रामगोपाल गर्ग ने, जो इस ऐप के प्रणेता भी हैं, ने अपने उद्बोधन में बताया, की अब समय आ गया है कि पुलिस तकनीकी रूप से सक्षम बने, और आम जन भी, सरल तकनीक के माध्यम से पुलिस के साथ अपने अनुभव साझा कर सके। इसके लिए ये पहल अनुभव के माध्यम से प्रारम्भ की जा रही है। जिसमें थाने, और पुलिस के अन्य कार्यालयों में क्यू आर कोड लगाए गए हैं, जिन्हें अपने मोबाइल से स्कैन करके कोई

रेंज के सभी पुलिस अधीक्षक भी वर्चुअली हुए शामिल

भी व्यक्ति अपना फीडबैक दे सकता है। कोड को स्कैन करने पर एक सरल गूगल फॉर्म खुलता है, जिसमें प्रश्नोत्तर के माध्यम से, संबंधित व्यक्ति अपना फीडबैक दे सकता है, जो सबमिट करने पर सीधे पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में दर्ज हो जाएगा। फीडबैक देने वाला व्यक्ति चाहे तो अपनी पहचान और मोबाइल नंबर भी गोपनीय रख सकता है, इसे पूरी तरह से वैकल्पिक रखा गया है।

आईजीपी श्री गर्ग ने आगे बताया कि, आज से रेंज के सभी आठ जिलों में एक साथ इस ' अनुभव' सिस्टम का आरम्भ किया जा रहा है, इसके लिए रेंज के सभी थानों में क्यू आर कोड की स्थापना कर दी गई है। इस अवसर पर जिला बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, ये पुलिस प्रशासन की ऐसी पहल है, जिससे आम जन, अपना अनुभव और समस्याएं बिना किसी वरिष्ठ कार्यालय के चक्कर काटे, सीधे बता सकते हैं, और अपनी बात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा सकते हैं।

संभागायुक्त सुनील जैन ने कहा, की नवाचार को अपनाना वतर्मान समय की मांग है, और हम अपने कार्य के लिए स्वयं पयर्वेक्षक नहीं हो सकते, हम जनता के सेवक हैं, इसलिए हमारे काम का पयर्वेक्षण भी आमजन के द्वारा ही किया जाना चाहिए।

बिलासपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया, की बिलासपुर जिले के सभी थानों में 'अनुभव के लिए क्यू आर कोड लगा दिए गए हैं, और अब आम जन, अपना फीडबैक इसे स्कैन करके सीधे दे सकते हैं। उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक की इस पहल को सार्थक बताते हुए कहा, की अब इससे थाने आने वाले फरियादियों को जो भी अनुभव थाने से मिलेगा, उससे प्राप्त फीडबैक के आधार पर जो भी व्यवस्था में सुधार किए जाने हैं वो किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायगढ़ शशिमोहन सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल एवं पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी ने भी अपने विचार रखे जिसमें उन्होंने इस ' अनुभव ' को एक सार्थक पहल बताते हुए, इससे पुलिसिंग को और बेहतर बनाने तथा थाने में रियल टाइम में फरियादियों को आने वाली समस्याओं को जानकर, उन्हें दूर करने में मदद मिलेगी, ऐसा अपने संबोधन में बताया। कार्यक्रम गरिमामय रहा, जिसके दौरान सभी अतिथियों के द्वारा 'अनुभव 'का विधिवत शुभारंभ क्यू आर कोड का रिबन खोलकर किया गया।

इस दौरान इससे संबंधित एक वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिया गया, जिसमें 'अनुभव ' के उपयोग और उपयोगिता के संबंध में जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकजन, समाज सेवी संस्थाओं के माननीय लोग, प्रिंट तथा सोशल मीडिया के प्रमुख प्रबुद्धगण की गरिमामय उपस्थिति रही। आज से ही यह व्यवस्था रेंज के सभी जिलों के सभी थानों में प्रारम्भ कर दी गई है।

आईजीपी रामगोपाल गर्ग ने आम जनो से अपील की है, की इसका सदुपयोग करें, और अपने सही, वास्तविक तथा महत्वपूर्ण फीडबैक को देकर, व्यवस्था में सुधार के सहभागी बने। यदि कुछ अच्छा हो तो उसे भी शेयर किया जाए, और जो कमी आपको महसूस हो, उसे भी निर्भय होकर बताएं। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह के द्वारा सभी अतिथियों को स्मरण चिन्ह प्रदान किए गए। इस गरिमामय कार्यक्रम के साथ आज से बिलासपुर रेंज में जनता से प्रत्यक्ष संवाद के तहत ' अनुभव ' के माध्यम से क्यू आर कोड स्कैन कर फीडबैक लेने की व्यवस्था का शुभारंभ किया गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिये निगम तैयार, सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने दिया जा रहा है जोर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिये नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने व्यापक प्रबंध किये जा रहे है, जिसके तहत प्रतिदिन साफ सफाई कर कचरा उठाया जा रहा है। नागरिकों को स्वच्छता से जोडने फिडबेक लिया जा रहा है। साथ ही सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत की गयी है। समय समय पर स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड प्रभारी, स्वच्छता मित्र, स्वच्छता दीदी एवं मिशन क्लीन सिटी प्रभारी की बैठक लेकर स्वच्छता में सुधार करने निर्देशित किया जा रहा है। महापौर एवं आयुक्त के द्वारा सुबह वाडी में सफाई निरीक्षण कर जहॉ एक ओर

स्वास्थ्य कमियी को सफाई में और सुधार करने के निर्देश दे रहे है, वही नागरिको से शहर को स्वच्छ एवं साफ रखने अपील की जा रही है।

आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुये नगर निगम का स्वास्थ्य अमला साफ सफाई में विशेष ध्यान दे रही है, इसके तहत निर्धारित समय तक सड़कों, गलियों नाली एवं नालों की सफाई कराकर कचरा उठाया जा रहा है, अनुपस्थित कमर्चारी एवं कार्य में लापरवाही बरतने वाले कमर्चारियों पर कायर्वाही की जा रही है। इसके अलावा नागरिकों से सफाई के संबंध में चर्चा कर फिडबेक लिया जा रहा है। साथ ही कमर्चारियों को हिदायत दिया गया है कि साफ सफाई संबंधित शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। कही पर भी सफाई नहीं होने की शिकायत पर प्राथमिकता से उसे सफाई कराने निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि तकनीकि अधिकारियों को भी अपने अपने प्रभरित वार्ड में सफाई देखने दायित्व सौपा गया है। सफाई नहीं होने पर स्वास्थ्य अधिकारी को अवगत कराने कहा गया है। इसके अलावा सामुदायिक सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत भी करायी गयी है।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने बताया कि महापौर मधुसूदन यादव एवं पाषर्दो द्वारा भी समय समय पर सफाई का निरीक्षण कर सफाई में गुणात्मक सुधार लाने कार्य करने निर्देशित किया जा रहा है, इसके अलावा नागरिकों से भी सम्पर्क कर साफ सफाई रखने स्वच्छता अपनाने अपील की जा रही है तथा उनसे फीडबेक लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डोर टू डोर कचरा संग्रहण करने वाली दीदीयों द्वारा घर में ही कचरा पृथककरण करने समझाईस दी जा रही है और घरों के आस पास साफ सफाई रखने लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। मच्छर उन्मूलन के लिये दवाई का छिडकाव किया जा रहा है, कचरा के छोटे मुक्कड को हटाकर वहॉ पर सौदर्यीकरण किया जा रहा है। तालाबों के आस पास व उद्यानों में विशेष साफ सफाई रखा जा रहा है, ताकि स्वच्छ वातावरण निर्मित हो सके। तालाबों में कचरा फैकना व विसर्जन करना प्रतिबंधित किया गया है। नालों में जाली लगाया जा रहा है, ताकि कचरा रूक जाये और उसे आसानी से निकाला जा सके।

कोलकाता में भिलाई के साहित्यकारों की किताबों का किया गया विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आंतर्जातिक पुस्तक मेला, कोलकाता में इस्पात नगरी भिलाई के साहित्यकारों की कृतियों का विमोचन किया गया। मधुसूदन सभागार, विवेकानंद रोड, कोलकाता में ज्ञानदा प्रकाशन के आमंत्रण पर भिलाई से पहुंचे कवि, लेखक पल्लव चटर्जी, गोबिंद पाल, प्रकाश चन्द्र मण्डल व मध्य वलय के सम्पादक दुलाल समाद्दार और श्रीमती बेबी हालदार का सम्मान करते हुए विमल माइती ने इसे अविस्मरणीय समागम कहा।

इसके पूर्व आंतर्जातिक साहित्यकार श्रीमती बेबी हालदार के हाथों से पुस्तक पल्लव चटर्जी की बंग्ला कविता 'समयेर अनुभूति', प्रकाश चंद्र मंडल की 'एखोनो अनेकटा पथ बाकि' तथा गोबिंद पाल की 'निर्वाचित श्रेष्ठ बंगला कविता पुस्तक का विमोचन हुआ। सभा के अंत में प्रकाश ने आयोजक विमल माइती का भिलाई से आते पहुंचे सभी कवियों लेखकों, साहित्यकारों के तरफ से इस सफल आयोजन हेतु आभार प्रकट किया। पल्लव चटर्जी ने उन्हें भिलाई आने का निमंत्रण दिया। यहां दुर्वासा स्टाल पर पल्लव चटर्जी की किताब 'समयेर अनुभूति', दीपाली दासगुप्ता की 'आलो -आंधार' और दुलाल समाद्दार की "निर्वाचित कविता" को पाठक वर्ग के लिए खास तौर पर प्रदर्शित किया गया।

भूमिपूजन स्वदेश दर्शन योजना 2 .0 के तहत जशपुर को मिली पर्यटन विकास की बड़ी सौगात

ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित होगा मयाली - सीएम साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 की उप-योजना सीबीडीडी के अंतर्गत स्वीकृत मयाली-बगीचा विकास परियोजना का मयाली नेचर कैंप में विधिवत भूमिपूजन किया। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित इस परियोजना के तहत मयाली, विश्व प्रसिद्ध मधेश्वर पर्वत (विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग) तथा बगीचा स्थित कैलाश गुफा क्षेत्र में विभिन्न पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

यह परियोजना क्षेत्र की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत के संरक्षण के साथ-साथ समुदाय आधारित पर्यटन को सशक्त बनाएगी। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और जशपुर जिले को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि मयाली-बगीचा विकास परियोजना जशपुर जिले के पर्यटन विकास के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। आज मयाली के विकास

की मजबूत नींव रखी गई है। मयाली अब पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है और आने वाले समय में यह एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मयाली की पहचान सदियों से मधेश्वर महादेव से जुड़ी रही है, जिसे विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग माना जाता है। इस विकास परियोजना के माध्यम से मधेश्वर पर्वत के धार्मिक एवं पर्यटन महत्व को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। परियोजना के अंतर्गत मयाली डेम के समीप पर्यटक रिसोर्ट एवं स्किल डेवलपमेंट सेंटर का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मयाली को एक समग्र इको-टूरिज्म और एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां के जंगल, झरने, पहाड़ और समृद्ध आदिवासी संस्कृति को देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाया जाएगा। पर्यटन से होने वाली आय का सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। श्री साय ने कहा इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा होम-स्टे नीति लागू की गई है, जिससे ग्रामीण परिवार पर्यटन गतिविधियों से सीधे जुड़कर आय अर्जित कर सकेंगे और पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति को नजदीक से जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आई है। स्किल डेवलपमेंट सेंटर में टूर गाइड, होटल सेवा, एडवेंचर स्पोर्ट्स, हस्तशिल्प एवं डिजिटल बुकिंग से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे न केवल पर्यटन बल्कि जशपुर की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधताओं को भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

यह समस्त कार्य भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा संचालित स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत मयाली-बगीचा विकास परियोजना के माध्यम से किए जाएंगे। परियोजना के पूर्ण होने से पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती तथा क्षेत्र की सांस्कृतिक-प्राकृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, विभिन्न बोर्ड-निगमों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बदलेगी मयाली की तस्वीर, उभरेगा नया पर्यटन केंद्र

मयाली क्षेत्र को प्राकृतिक, धार्मिक एवं ग्रामीण पर्यटन के समग्र गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत 5 पर्यटक कॉटेज, कॉन्फ्रेंस एवं कन्वेंशन हॉल, स्किल डेवलपमेंट सेंटर, भव्य प्रवेश द्वार, बाउंड्री वॉल, आधुनिक टॉयलेट सुविधा, लैंडस्केपिंग एवं पाथवे का निर्माण किया जाएगा। इन सुविधाओं से पर्यटकों के ठहराव एवं विभिन्न आयोजनों की बेहतर व्यवस्था होगी और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। धार्मिक पर्यटन को सशक्त करने के लिए शिव मंदिर क्षेत्र में प्रवेश द्वार, टॉयलेट सुविधा, लैंडस्केपिंग एवं पाथवे का विकास किया जाएगा। वहीं बगीचा स्थित कैलाश गुफा परिसर में प्रवेश द्वार, पिकनिक स्पॉट, रेस्टिंग शेड, घाट विकास, पाथवे तथा सीढ़ियों एवं रेलिंग का जीर्णोद्धार किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक अनुभव मिलेगा।

25 मार्च से होगी स्कूलों में पहली से ग्यारहवीं तक की परीक्षाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश के स्कूलों में सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षा को लेकर कक्षा 1 से 11वीं तक के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार वार्षिक परीक्षाएं 25 मार्च 2026 से 10 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा की समय-सारणी जिला शिक्षा अधिकारी स्तर से जारी की जाएगी।

उपसंचालक लोक शिक्षण के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिले में वार्षिक परीक्षा के सफल संचालन की पूर्ण जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी की होगी। इसके लिए जिला स्तर पर संचालन समिति, प्रश्न पत्र निर्माण समिति , और मॉडरेशन समिति का गठन 5 फरवरी 2026 तक किया जाना अनिवार्य होगा। निर्देशानुसार कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के लिए ब्लूप्रिंट के अनुरूप प्रश्न पत्र तैयार किए जाएंगे। परीक्षा पूर्व तैयारी के तहत सैंपल प्रश्न पत्र बनाकर विद्यार्थियों को अभ्यास

कराया जाएगा।

सभी कक्षाओं का पाठ्यक्रम 28 फरवरी 2026 तक पूर्ण कर रिवीजन कराया जाएगा, वहीं परियोजना कार्य की वार्षिक परीक्षा 5 मार्च 2026 तक पूरी की जाएगी। प्रश्न पत्र निर्माण प्रक्रिया के तहत 15 फरवरी 2026 तक प्रश्न पत्रों के तीन सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद 20 फरवरी 2026 तक मॉडरेशन प्रक्रिया पूरी होगी। प्रश्न पत्रों को मुद्रण के लिए 25 फरवरी 2026 तक भेजा जाएगा, जबकि मुद्रक द्वारा सीलबंद लिफाफों में प्रश्न पत्र 15 मार्च 2026 तक जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपे जाएंगे। जारी निर्देश सभी शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों पर लागू होंगे।

आप दुनिया की बेस्ट मॉम हैं क्योंकि अपने बच्चे के साथ आप दोस्ताना व्यवहार करती हैं। माता-पिता बच्चे के दोस्त तो बन जाते हैं, पर इस रिश्ते की कुछ सीमाएं भी होती हैं। बच्चे की अच्छी परवरिश के लिए इन सीमाओं को अपनाना भी जरूरी है।

बच्चे से दोस्ती कितनी सच्ची?

मिथी के लिए दोस्ती का मतलब है उसकी मां रितु। रितु से वो सबकुछ साझा करती है। सुबह स्कूल जाने से लेकर घर वापस आने तक की बातें तो बतायी ही, साथ ही वह हर घटना पर अपनी राय, जैसे उसको क्या अहसास हुआ, किस बात पर गुस्सा आया, किस बात पर हंसी, सब अपनी मां से साझा करती है। मगर यह दोस्ती तब तक अच्छी है, जब तक वह अपनी उम्र के हिसाब से सोच रही है। क्योंकि उसको अपनी बातों पर मां की राय भी मिलती है इसलिए कहीं वो मां के हिसाब से तो दुनिया को नहीं देखने लगी? इसका खयाल मां रितु को ही रखना होगा। ध्यान देना होगा कि मिथी से जब वह दिल की बातें करे तो अपनी और उसकी उम्र याद रखें।

बच्चे की गाइड- माता-पिता होने के नाते आपको ध्यान रखना होगा कि आपको बच्चे के लिए कोच, स्पोर्टर, गाइड और एजुकेटर की भूमिका निभानी है। इसमें कोई कोताही न हो, तभी बच्चे की और दोस्ती का हाथ बढ़ाएं। आपको यह याद रखना होगा आपका यह दोस्त असल में आपका बच्चा है, जिसकी उम्र बहुत कम है।

बिगड़े ना रिश्ते का संतुलन- आज 15 साल की उम्र में रोहन की यह दोस्ती कुछ ऐसी हो गई है कि लोग रोहन को बदतमीज कहने लगे हैं। दरअसल जैसे पापा को रोहन की गलती पर उसे डांटना चाहिए, ठीक वैसे ही वह भी पापा को उनकी गलतियां याद दिलाने लगा है। बस, यहीं पर माता-पिता और बच्चों के बीच दोस्ती का मामला बिगड़ जाता है। जरूरत है कि बच्चे के दोस्त तो बनें, पर यह न भूलें कि सुझाव तो दोनों एक-दूसरे को दे सकते हैं। पर, राह सिर्फ आप बेटे को दिखा सकते हैं, बेटा आपको नहीं। बच्चे को आपके उम्र और अनुभव की कद्र करनी होगी।

कमजोरियां न ही बताएं- कोशिश कीजिए कि बच्चे को आप परफेक्ट लगें, ऐसे कि आप उसके लिए सब कुछ अच्छा करेंगे। इसके साथ जिंदगी में आप किन परेशानियों से जूझ रहे हैं, किससे मन-मुटाव है, जैसी बातें भी बच्चों से दूर ही रखिए।

हल बताएं नहीं, पूछें- हालांकि दोस्त का काम परेशानी में पूरा साथ देना और हल बताना होता है, पर आप हमेशा ऐसा न करें। मान लीजिए कोई उसका मजाक उड़ा रहा है। इससे उसके विकास में कमी आएगी। ऐसे में बच्चे से पूछें कि इस समस्या का समाधान क्या है। वो ऐसा नहीं कर पा रहा है तो भी आप बस हिंट दें। बच्चे की राय में कि 'फलां तरह हल निकल सकता है या कोई और रास्ता सही रहेगा' फिर बच्चा जो राह चुने, उसे चुनने का उससे कारण जरूर पूछें।

कब पेरेंट्स का रोल निभाना है- आपको पता होना चाहिए कि कब आपको दोस्त का जामा उतारकर पेरेंट्स बनना है। अब उसकी परेशानी का समाधान आप ढूंढेंगी, क्योंकि यह बच्चे के बस की बात नहीं है। हो सकता है कोई उसका शोषण कर रहा हो या किसी भी दूसरी तरह से बेवजह बड़ी दिक्कत खड़ी कर रहा हो।

क्या कहते हैं मनोवैज्ञानिक – बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद की कमी नहीं होनी चाहिए। इसी कमी को पूरा करने के लिए माता-पिता को बच्चों के दोस्त बनने की सलाह दी जाती है। इससे एक-दूसरे के बीच समझ बनती है और बच्चे अपनी बात खुल कर कह पाते हैं। रिश्ते में नियमों की बात करें, तो रहन-सहन का परिवेश भी कई नियम बनाता है। जैसे नॉर्थ ईस्ट में लड़के-लड़की की दोस्ती बड़ी बात नहीं है। आप बच्चे को इसके लिए नहीं टोकेंगी, पर यही नियम देश के अन्य हिस्सों में बदल जाता है।'

बच्चे में लाएं अनुशासन – दोस्त बने पर हमकदम नहीं। कुछ काम उसे अकेले भी करने दें। बच्चों से घर के छोटे-मोटे काम जरूर करवाएं। अपने जीवन में आपने जो सीमाएं बनाई हैं, उनको बच्चों के साथ जरूर बांटिए। उनसे जीवन के कुछ नियमों को हर दिन के कामकाज में लागू करने को कहें। अगर आप बच्चे के साथ कुछ ज्यादा ही जुड़ गई हैं, तो आज ही से सकारात्मक तरीके से उसमें आवश्यक कमी लाना शुरू कर दें।

ताकि बने व्यक्तिगत पहचान – बच्चे के दोस्त तो बनिए, पर इस दोस्ती के चक्कर में उसकी व्यक्तिगत पहचान को न भूलिए। मतलब दोस्त तो बनें, पर हमेशा साथ रहने वाला दोस्त नहीं, ताकि बच्चे को भी खुद की पहचान का अहसास हो। कुछ जिम्मेदारियां वह खुद उठाए और अहसास करे कि हमेशा कोई साथ नहीं होगा। आगे चलकर ढेरों काम खुद करने होंगे। इससे उसमें निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ेगी।

क्या है ज्यादा जरूरी फैशन या सेहत?

फैशन भी बहुत अजीब है। खुद को खूबसूरत बनाने और अपने फैशन की धाक जमाने के लिए सेलेब्रिटी क्या-क्या नहीं करते? कहीं न कहीं वे इस बात को भूल जाते हैं कि फैशन का खामियाजा उनके शरीर को ही भुगतना पड़ता है। जब विक्टोरिया बेखम को प्रिंस विलियम और केट मिडलटन की शादी में हाई हील्स पहने हुए देखा गया तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि पूरी दुनिया हाई हील्स के प्रति उनके प्यार को बखूबी जानती है। लेकिन, सबकी आंखें उस वक्त टिटक गईं, जब बेटी के जन्म के बाद उन्होंने बिना हील्स वाली फुटवियर पहननी शुरू कर दी। दरअसल, प्रेग्नेंसी में लंबे समय तक हाई हील्स पहनने की वजह से वो रिल्पि डिस्क का शिकार हो गई थी, जिसकी वजह से उन्हें हाई हील्स से तौबा करनी पड़ी। अब यहां सवाल यह उठता है कि रिल्पि डिस्क होता क्या है और हाई हील्स का इससे क्या रिश्ता? हालांकि प्रेग्नेंसी में महिलाओं को कमर दर्द की शिकायत होना आम बात है क्योंकि गर्भावस्था के नौ महीनों के दौरान महिलाओं के शरीर में कई हार्मोनल व शारीरिक बदलाव होते हैं। प्रेग्नेंसी के आखिरी समय में तो शरीर का विकास इतना अधिक हो जाता है कि कई अंगों पर दबाव पड़ने लगते हैं।

ऐसी स्थिति में हाई हील्स पहनने से हमारे पैरों के अंगूठे से लेकर हिप्स, स्याइन, कंधे आदि पर शरीर का अतिरिक्त भार आ जाता है, जिससे उनके बीच में संपर्क स्थापित करने वाली नसें भी बोझिल हो जाती हैं। यही वजह है कि लंबे समय तक, खासकर प्रेग्नेंसी में अगर हाई हील्स पहनी जाए तो वे कमर व गर्दन पर बुरा असर करती हैं।

कितनी ऊंची पहनें हील्स

अगर आप प्रेग्नेंसी के दौरान कमर दर्द या उससे संबंधित किसी भी बीमारी से बचना चाहती हैं तो 1.5 इंच से ज्यादा ऊंची हील्स न पहनें। अगर आप की लंबाई कम है और आपको थोड़ा सा लंबा दिखना है तो कभी-कभार 3 इंच की हील्स पहन सकती हैं, लेकिन रोजाना इन्हें इस्तेमाल में न लाएं। प्रेग्नेंसी में केवल प्लेट फुटवियर पहनना ही महिलाओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। यदि आपको रोजाना अधिक चलना पड़ता है तो हाई हील्स न ही पहनें। ज्यादा ऊंची हील्स आपके शरीर के बैलेंस को बिगाड़ सकती है। कई मामलों में यह रिल्पि डिस्क का कारण भी बन सकता है।

रिल्पि डिस्क की हो सकती हैं शिकार

रिल्पि डिस्क को हर्नियेटिड डिस्क भी कहा जाता है। जब भी शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है या रीढ़ की हड्डी पर जोर पड़ता है जैसे गलत तरीके से उठना-बैठना, बार-बार झुकना, झुककर बैठना, व्यायाम न करना, प्रेग्नेंसी आदि की स्थिति में रिल्पि डिस्क की आशंका और बढ़ जाती है। दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं का वजन खासकर पेट और कमर के हिस्से में दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इससे रीढ़ की हड्डी पर भी कभी-कभी गलत असर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी का आकार बिगड़ने लगता है और इससे कमर के निचले हिस्से और गर्दन पर भी असर होता है। ऐसे में अगर लगातार हाई हील्स पहनी जाए, तो डिस्क पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है और इसकी शुरुआत अक्सर भयानक कमर दर्द से होती है। नसों में एक अजीब प्रकार का खिंचाव व झनझनाहट रिल्पि डिस्क का एक बड़ा लक्षण है। यह झनझनाहट पूरी नस में दर्द उत्पन्न करती है जो कष्टदायक होता है। इसके अलावा प्रभावित जगह पर सूजन होना भी इस दर्द को और अधिक जटिल बना देता है।

इन बातों का ध्यान दें

प्रेग्नेंसी में हाई हील्स न पहनें, खासकर अंतिम महीनों में। उठने-बैठने के तरीके में परिवर्तन करें। बैठते वक्त सीधे तन कर बैठें। कमर झुकाकर या कूबड़ा निकालकर न बैठें और न ही चलें। यदि बैठे-बैठे ही अलमारी की रैक से कुछ उठाना है तो ध्यान रहे कि पेट पर सारा दबाव न पड़े। अपनी क्षमता से अधिक वजन न उठाएं। नरम या गुदगुदे से बिस्तर पर न सोएं बल्कि सपाट पलंग या तख्त पर सोएं। ताकि पीठ की मांसपेशियों को पूरा विश्राम मिले। तनाव की स्थितियों से बचें। चिंता दूर करने के लिए टहलें। ध्यान करें और खुश रहें।

प्रेग्नेंसी के दौरान फैशनेबल दिखने के चक्कर में कई बार महिलाएं अपनी सेहत को भी अनदेखा कर जाती हैं। पर, यह अनदेखी कभी-कभार प्रेग्नेंसी के दौरान और कभी बच्चे के जन्म के बाद सेहत पर भारी पड़ जाती है। गर्भावस्था में हाई हील्स से दूर रहने की सलाह क्यों दी जाती है

बच्चे को हो जाएगा अपने खाने से प्यार

जब तक बच्चा सिर्फ दूध पर निर्भर है, तब तक तो कोई परेशानी नहीं। पर जैसे ही वह छह माह का हुआ, उसे ठोस आहार देने की शुरुआत हो जाती है। पर ठोस आहार देने की शुरुआत के साथ संभव है कि बच्चे को पाचन संबंधी कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़े। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के शुरुआती आहार का पूरा खयाल रखें-समझकर करें।

बच्चा को कब दें ठोस आहार

बच्चे को ठोस आहार की शुरुआत छह माह से कर देनी चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि बच्चे को ठोस आहार तब ही देना शुरू करें, जब बच्चे का सिर स्थिर हो जाए बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह ठोस आहार को कुछ देर मुंह में रखने के बाद उसे निगलना सीखने लगे। अमूमन शुरुआत में बच्चा खाने को चीभ से बाहर ठेलना ही जानता है। खाने को निगलने की प्रक्रिया को वह धीरे-धीरे सीखता है। बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह सहारा लेकर बैठना शुरू कर दे।

बच्चे को ठोस आहार देना धीमे-धीमे बढ़ने वाली प्रक्रिया है। खुराक कैलोरी व प्रोटीन से भरपूर होनी चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप ऐसे खाद्य पदार्थ चुनें, जिनसे बच्चे की जरूरतें पूरी हो सकें। शुरुआत में आप अपने शिशु को कोमल कैलोरी युक्त खाद्य पदार्थ दे सकती हैं, जैसे कि सूजी की खीर, घी वाली खिचड़ी, दलिया, कुचला हुआ केला आदि। आपके शिशु के लिए इस उम्र में आयरन बेहद अहम है। जो शिशु मां के गर्भ में वक्त पूरा करके जन्म लेते हैं उनके शरीर में आयरन का भंडार छह महीनों तक रहता है। उसके बाद उसके शरीर से आयरन का भंडार कम होने लगता है और उसे अपनी खुराक में आयरन चाहिए होता है। इस लिहाज से आयरन युक्त खाद्य को खास महत्व देना चाहिए। कुचली हुई सब्जियों से शुरुआत करें और फिर धीरे-धीरे उसे अन्य चीजें खिलाएं। दालें, फलियां, अंकुरित दालें, बोकली व बंदगोभी आयरन का अच्छा स्त्रोत हैं। इस बात को भी ध्यान में रखें कि बच्चे को जब पहले-पहल ठोस खाद्य पदार्थ दिया जाता है तो कुछ दिनों तक उसे कब्ज, अपच, पेट दर्द या इस तरह की अन्य परेशानियां हो सकती हैं। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के खाने की शुरुआत रेशी-लिक्विड फूड से करें, साथ तरल पदार्थ और पानी ज्यादा दें। परेशानियों को दूर भगाने में हमदर्द की जन्म घुट्टी और हमदर्द बेबी केयर रेंज के अन्य प्रोडक्ट भी आपकी मदद कर सकते हैं।

क्या है पोषक तत्वों की भूमिका

आयरन, बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास के अलावा हीमोग्लोबिन के उत्पादन के लिए जरूरी है। हीमोग्लोबिन कोशिकाओं को ऑक्सीजन पहुंचाने व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाता है। कैल्शियम व फॉस्फोरस हड्डियों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। बच्चे को प्रचुर मात्रा में कैल्शियम देने की सलाह दी जाती है ताकि बाद में फ्रैक्चर आदि की आशंका कम हो। विटामिन ए, विटामिन ई, आपके बच्चे की रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। प्रोटीन बच्चे की समग्र वृद्धि और विकास में केन्द्रीय भूमिका निभाता है और यह शरीर के ऊतकों के निर्माण व मरम्मत के लिए जरूरी है। अगर ऊर्जा की जरूरत पूरी न हो तो हो सकता है कि शरीर प्रोटीन को ऊर्जा के लिए प्रयोग करे और इससे बच्चे के विकास और वृद्धि पर विपरीत असर पड़ेगा।

खाना खजाना

शाकाहारी मुगलई कोफ्ते

सामग्री - 200 ग्राम आलू, 150 ग्राम गाजर, 250 ग्राम टमाटर, 200 ग्राम फूलगोभी, दो छोटे चम्मच बेसन, 2 स्लाइस ब्रैड, आधा छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच मिर्च, आधा छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, आधा छोटा चम्मच घी

ग्रेवी के लिए - हरी मिर्च, अदरक का 1 टुकड़ा, खसखस के 2 चम्मच, टमाटर 4 बड़े, काजू 50 ग्राम, किशमिश 50 ग्राम, पनीर 100 ग्राम, गर्म मसाला 1 चम्मच, पानी 3 कप, नमक, मिर्च एवं धनिया अंदाजे से।

विधि - मटर के दाने निकाल कर उसमें आलू, गाजर, गोभी के छोटे-छोटे टुकड़े मिला लें। पानी डालकर कूकर में तब तक पकाएं जब तक सब्जियां गल न जाएं। फिर पानी निकाल कर रख लें। उबली हुई सब्जियों में सूखा भुना बेसन, ब्रैड और मसाले डाल कर मैश कर लें। थोड़ा सा घी हाथ पर लगा कर छोटे-छोटे रोल बनाएं तथा बाद में गर्म घी में तल कर रख दें।

ग्रेवी बनाने की विधि - प्याज बारीक पीस लें। खसखस, अदरक व हरी मिर्च एक साथ पीस लें। तेल गर्म करके प्याज लाल होने तक भूनें, बाद में खसखस का बनाया पेस्ट डाल कर थोड़ा और भूनें। अब टमाटर का पेस्ट डाल कर घी छोड़ने तक पकाएं। फिर 3 कप पानी डालें और काजू-किशमिश डालें तथा अच्छी तरह उबाल लें। ग्रेवी को गाढ़ा होने तक पकने दें। तले हुए कोफ्ते बोल में सजा कर, उसके ऊपर गर्मा-गर्म ग्रेवी डालें तथा कसा पनीर, धनिया और गर्म मसाला छिड़क कर परोसें।

स्वादिष्ट पाव भाजी

सामग्री - एक आलू उबला एवं मैश किया हुआ, आधा कप हरे मटर, आधा कप शिमला मिर्च, एक फैंचबीन, एक लौकी, 100 ग्राम टमाटर कद्दूकस किया हुआ, आधा कप अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 चम्मच प्याज बारीक कटा, 2 चम्मच हल्दी पाऊडर, आधा चम्मच पावभाजी मसाला, 2 चम्मच टोमैटो सॉस, एक चम्मच बारीक कुतरा हरा धनिया, नमक स्वादानुसार, छ-पाव

बनाने की विधि - शिमला मिर्च के बीज निकाल लें। फैंचबीन के दोनों सिरे काट कर बीच में दो टुकड़े करें। लौकी छील कर मोटे टुकड़ों में काट लें। सभी सब्जियों को हैन्ड चॉपर में डालें और बारीक कर लें। एक प्रैशरपैन में प्याज भूनें और फिर पानी का छींटा मार कर अदरक-लहसुन भूनें। इसमें कद्दूकस किया टमाटर डाल कर दो मिनट चलाएं। सभी सब्जियां, पाव भाजी मसाला, नमक एवं हल्दी डालें। साथ ही एक कप पानी डाल कर एक सीटी आने तक पकाएं। प्रैशरपैन ठंडा होने पर डाल कर भाजी गाढ़ी होने तक पकाएं। इसमें टोमैटो कैचअप भी डाल दें। हरे धनिए से सजाएं और पाव के साथ सर्व करें। पाव को बीच से काटें और ऐसे ही तवे पर गर्म कर लें।

दावते कड़ाही पनीर

सामग्री - 250 ग्राम पनीर, 2 शिमला मिर्च, 2-3 टमाटर, 2 प्याज मोटे कटे हुए, 2 हरी मिर्च, 6-7 कलियां लहसुन, 1 इंच लंबा टुकड़ा अदरक, 2 टेबलस्पून तेल या घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, थोड़ी-सी लाल मिर्च, एक-चौथाई छोटा चम्मच गर्म मसाला, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया बारीक कटा हुआ

बनाने की विधि - शिमला मिर्च के बीज निकाल कर उसे बारीक काट लें। अदरक, हरी मिर्च एवं लहसुन को मिक्सी में पीस लें। कड़ाही में तेल डाल कर गर्म करें तथा उसमें जीरा डाल कर भूनें, फिर उसमें हरी मिर्च, प्याज, अदरक, लाल मिर्च, धनिया और गर्म मसाला डाल कर तब तक भूनें जब तक मसाला तेल न छोड़ दे। मसाले में टमाटर डालें और नर्म होने तक पकाएं, उसके बाद शिमला मिर्च डाल कर 2-3 टेबलस्पून पानी और नमक स्वादानुसार डालें और ढक कर 4-5 मिनट के लिए पकाएं। जब शिमला मिर्च नर्म हो जाए तब पनीर को वयुब के शेप में काटें और उसे भी कड़ाही में डाल दें। सब्जी को 2-3 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकने दें, कड़ाही पनीर बन कर तैयार है। हरा धनिया कड़ाही पनीर पर डालें और चपाती या नान के साथ परोसें।

चटपटे मूंगफली के दही-वड़े

सामग्री - 250 ग्राम मूंगफली, 2 चम्मच हरी मिर्च कटी हुई, 3 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, आवश्यकतानुसार ऑलिव ऑयल, एक-चौथाई फरूट सॉल्ट, 2 कप पानी, 1 चम्मच शूगर फ्री, 4 चम्मच दही

गार्निशिंग के लिए - इमली की चटनी, हरी चटनी, जीरा और काली मिर्च पाऊडर, अदरक, भुनी मूंगफली

बनाने की विधि - सबसे पहले मूंगफली को हरी मिर्च और आवश्यकतानुसार पानी के साथ ग्राइंड कर लें। अब इसे बाऊल में निकाल कर उसमें बेसन, नमक, फरूट साल्ट मिलाएं। भीगे कपड़े पर इस मिक्सचर के छोटे-छोटे बॉल बना कर डालें और हल्के हाथों से दबाएं। अब इन्हें मध्यम आंच पर डीप फाई करें। बाऊल में गर्म पानी डाल कर उसमें वड़े को भिगोएं और हाथों से दबा कर अतिरिक्त पानी निकाल लें। अब चीनी मिला दही इन वड़ों के ऊपर डालें। इसे चटनी, जीरा, काली मिर्च पाऊडर, अदरक और भुनी मूंगफली से गार्निशिंग करके सर्व करें।

घर पर ही कर सकते हैं ऐसे व्यायाम

व्यायाम खासतौर पर उन अंगों के लिए बेहद असरदार हैं जो या तो बढ़ती उम्र के कारण दुर्बल होने लगते हैं या फिर शरीर का भार बढ़ने के कारण फैलने लगते हैं जैसे- पेट, जांघ, बाजुओं का पिछला हिस्सा व कमर आदि। इन व्यायामों के जरिए निश्चय ही बेहतरीन परिणाम आपको मिलेंगे।

टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम

वार्म होने के बाद सबसे पहले टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम करना चाहिए। इसके लिए एक कुरसी के किनारे बैठ जाएं। घुटने एक साथ जोड़ लें, पैरों के बीच की दूरी डेढ़ फीट हो। ध्यान रहे पंजे अंदर की ओर इशारा करते हुए हों। अब पंजों को जितना ऊपर उठा सकती हैं उठाएं, फिर नीचे लाएं। इसे 16 बार दोहराएं। अब पैरों को बाहर की ओर मोड़ते हुए घुटने मिलाकर पैरों में फासला रखते हुए एक बार फिर 16 बार उठाएं। अंत में एड़ियों को जमीन पर जमाते हुए दोनों पैरों को जमीन के साथ रगड़ते हुए अंदर की ओर लाएं। अब पांवों को स्थिर करते हुए बाहर की ओर लाएं और दोबारा उठाएं। इसे 16 बार दोहराएं।

सपाट पेट व कमर को सही आकार देने के लिए व्यायाम

पीठ के बल लेट जाएं व हाथों को सिर के पीछे ले जाएं। टांगें मोड़ते हुए पैरों के तलवों से जमीन पर दबाव डालें जिससे कि दोनों टांगों के बीच कुछ फासला आ जाए। अब बायीं कुहनी को ऊपर की ओर उठाएं व दाएं घुटने की तरफ झुके फिर वापिस जाएं। इसे 12 बार दोहराएं। अब दाएं पांव को जमीन से दो इंच ऊपर की ओर उठाएं और बायीं कुहनी को दाएं घुटने की तरफ सामने 16 बार लाएं। अब इन व्यायामों को दूसरी तरफ से दोहराएं। पीठ के बल लेट जाएं। दोनों टांगों को ऊपर की ओर उठाते हुए घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़ लें। टखनों को क्रास कर लें तथा घुटनों के बीच करीब आधा इंच का फासला रखें। अब धीरे-धीरे शरीर के निचले हिस्से को जितना ऊपर उठा सकती हैं, उठाने का प्रयास करें। सर्वोत्तम परिणाम के लिए पेट को व्यायाम के दौरान अंदर ही रखें।

जांघों की मजबूती के लिए व्यायाम

इसके लिए सबसे पहले बायीं तरफ करवट लेकर लेट जाएं, शरीर के ऊपरी हिस्से को कुहनी पर टिकाते हुए। अब दायीं टांग को इस तरह मोड़ें जिससे कि घुटना ऊपर की तरफ इशारा करता हुआ हो। अब दाएं पांव को हल्के मुड़े घुटने के पीछे ले आएं पेट अंदर की तरफ रखते हुए। ध्यान रहे कि बाया पांव छत की तरफ इशारा करता हुआ हो। बायीं टांग को काफी ऊंचा उठाएं। इसे 24 बार दोहराएं। अब दूसरी तरफ से इसे करें।

ऊपरी बाजू के लिए व्यायाम

ऊपरी बाजू में वही पहले जैसा खिंचाव व सही शेप देने के लिए व्यायाम बहुत ही कारगर सिद्ध हो सकता है। कुरसी के किनारे बैठ जाएं व दोनों हाथों से कुरसी के किनारे थाम लें। कुरसी पर बैठे-बैठे ही आगे की तरफ बढ़ें जब तक कि आप कुरसी से नीचे न आ जाएं। अब धीरे-धीरे शरीर के ऊपरी भाग को ऊपर व नीचे ले जाएं, बाजुओं को मोड़ते व सीधा करते हुए। इसे 12 बार दोहराएं।

खोखले दावे करते लिमिंग सेंटर आज हर गली-कूचे में खुलते ही जा रहे हैं और लोग राह आकर अपना समय व पैसा दोनों बरबाद कर रहे हैं। लोग इन सेंटरों में इस आशा के साथ आते हैं कि एक दिन यह भी आकर्षक नजर आएंगे। यहां हम आपको अपने को फिट व चुस्त रखने के कुछ व्यायाम बता रहे हैं जिन्हें आप घर में ही आजमा कर आकर्षक दिखने का अपना सपना बिना इन सेंटरों में धन और समय गंवाए ही पूरा कर सकते हैं।

राज्यपाल रमेन डेका से यशवंत घोटे ने की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन रायपुर में दैनिक नवप्रदेश के प्रकाशक संपादक यशवंत घोटे ने सौजन्य भेंट की ' दैनिक नवप्रदेश समाचार पत्र समूह के रायपुर संस्करण का आगामी 7 फरवरी को 15वां स्थापना दिवस है ' इस उपलक्ष्य में निकट भविष्य में होने वाले कार्यक्रम को लेकर संक्षिप्त बातचीत भी हुई।

गैंगरेप : दुर्ग पुलिस की बड़ी नाकामी, रसूखदार आरोपी अब भी फरार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नाबालिग से अनाचार और गैंगरेप जैसे जघन्य अपराध के मामले में दुर्ग पुलिस की गंभीर लापरवाही अब खुलकर सामने आ रही है। घटना सामने आए कई दिन बीत जाने के बावजूद तीनों मुख्य आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अपराध दर्ज होने से पहले ही आरोपियों को पुलिस कार्रवाई की भनक लग गई। इसके बाद तीनों आरोपी आराम से फरार हो गए, जबकि पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही।

सिस्टम के भीतर सेंधमारी – सूत्रों के अनुसार, महिला थाना से ही आरोपियों तक गोपनीय जानकारी पहुंचाई गई। यदि यह सही है, तो यह सीधे तौर पर पुलिस विभाग के भीतर भ्रष्टाचार और मिलीभगत को उजागर करता है। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सूचना किसने और क्यों लीक की, जबकि इतने संवेदनशील मामले में विभागीय सतकर्ता सवीच्च होनी चाहिए थी।

रसूख के आगे कमजोर पड़ी पुलिस – वीएन पाण्डेय, राजू कश्यप और संजय पंडित जैसे प्रभावशाली नामों के सामने दुर्ग पुलिस की सख्ती कमजोर पड़ती नजर आई। यही कारण रहा कि लंबे समय तक मामला दबा रहा और पीड़िता को न्याय के लिए वर्षों तक भटकना पड़ा। यह सवाल उठता है कि क्या आम नागरिक के साथ भी पुलिस इसी तरह ढिलाई बरतती? मामला दर्ज होने के बाद भी तत्काल गिरफ्तारी नहीं की गई। न ही आरोपियों की संपत्ति जब्ती या पासपोर्ट जब्ती जैसी प्रभावी कारवाई समय पर की गई। परिणामस्वरूप आरोपी दूसरे राज्यों में शरण लेकर कानून से बचने फिर रहे हैं। निगरानी तंत्र पूरी तरह फेल

पुलिस की सर्विलांस और इंटेलिजेंस यूनिट भी इस मामले में विफल साबित हुई है। रसूखदार आरोपियों के मोबाइल, बैंक लेनदेन और संपर्कों की समय रहते मॉनिटरिंग नहीं की गई। आज स्थिति यह है कि पुलिस अब 'नंबर ट्रेस' और 'सूत्रों की तलाश' की बात कर रही है, जो पहले ही हो जानी चाहिए थी। पीड़िता को सुरक्षा और भरोसा देने में नाकाम इतने संवेदनशील मामले में पीड़िता और उसके परिवार को पर्याप्त सुरक्षा, काउंसलिंग और कानूनी सहायता समय पर नहीं मिल सकी। इससे पीड़िता पर मानसिक दबाव और बढ़ा। पुलिस की जिम्मेदारी केवल केस दर्ज करना नहीं, बल्कि पीड़ित को न्याय दिलाने तक साथ खड़े रहना है, जो यहां नजर नहीं आया।

सवालों के घेरे में वरिष्ठ अधिकारी

अब यह मामला केवल थाने तक सीमित नहीं रहा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की निगरानी और नेतृत्व क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लग चुका है। क्या समय रहते सख्त कार्रवाई होती, तो आरोपी फरार होते? इस पूरे घटनाक्रम ने आम जनता के बीच पुलिस की साख को नुकसान पहुंचाया है। लोग सवाल कर रहे हैं कि जब रसूखदारों पर कार्रवाई नहीं होती, तो कानून का डर किसके लिए है?

अब क्या होगी जवाबदेही?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि— सूचना लीक के जिम्मेदार कौन हैं? गिरफ्तारी में देरी के लिए कौन जवाबदेह है? पीड़िता को वर्षों तक न्याय से क्यों वंचित रखा गया? जब तक इन सवालों का जवाब नहीं मिलेगा, तब तक पुलिस की कार्रवाई केवल औपचारिकता ही मानी जाएगी।

विभागीय गठजोड़ पर चुप्पी पीडब्ल्यूडी और पुलिस के कथित गठजोड़ की चर्चा आम है, लेकिन अब तक किसी बड़े अधिकारी से सख्त पूछताछ की जानकारी सामने नहीं आई है। यह चुप्पी संदेह को और गहरा कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ आरोपियों को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी की जा रही है। सवाल यह है कि क्या यह मजबूत जांच की रणनीति है या पुलिस की कमजोर विवेचना की मजबूरी? जब मुख्य आरोपी ही फरार हों, तो गवाहों के भरोसे न्याय कैसे मिलेगा?

खास खबर

आज रात में रायपुर पहुंचेंगे अमित शाह कल होंगे बस्तर रवाना

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 7 फरवरी को छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, वे शनिवार की रात रायपुर पहुंचेंगे। अगले दिन रविवार को नक्सलवाद की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद अमित शाह बस्तर के लिए निकलेंगे, जहां वे पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमित शाह का दौरा ऐसे वक्त हो रहा है। जब केंद्र सरकार की तरफ से तय की गई 31 मार्च 2026 की नक्सलवाद समाप्ति की डेडलाइन नजदीक आ चुकी है। खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस समयसीमा का सार्वजनिक ऐलान किया था। इससे पहले अमित शाह विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा महोत्सव में शामिल होने 4 अक्टूबर 2025 को बस्तर दौरे पर आए थे। दरअसल, छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। अब डेडलाइन में करीब दो महीने का ही समय बाकी है। ऐसे में अमित शाह का यह दौरा नक्सल विरोधी अभियानों की दिशा और आगे की रणनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

बीएसपी वरिष्ठ क्रिकेट टीम के लिए चयन स्पर्धा का आयोजन 10 फरवरी से

भिलाई। बोकारो स्टील प्लांट द्वारा 10 से 14 फरवरी तक बोकारो में आयोजित की जा रही एस.पी.एस.बी. अंतर इस्पात संयंत्र क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र की वरिष्ठ क्रिकेट टीम के गठन हेतु क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा दिनांक 05 फरवरी, 2026 को दोपहर 2:00 बजे से बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, इंदिरा प्लेस में चयन स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। इस चयन स्पर्धा में भाग लेने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के नियमित कार्मिक खिलाड़ी तथा भिलाई परिधि क्षेत्र के प्रतिभागी पात्र होंगे। इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 05 फरवरी, 2026 को दोपहर 1:30 बजे तक चयन स्थल पर उपस्थित होकर निम्नलिखित चयनकर्ताओं के समक्ष अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं— सुरेश सोनपिपरे, सुरेश बाबू, मोहन दास। उप प्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं) अभिजीत भौमिक इस चयन स्पर्धा के प्रभारी होंगे।

कमांडो शहीद, CG-MH बॉर्डर में 3 नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़–महाराष्ट्र बॉर्डर पर शुक्रवार सुबह से नक्सली और सुरक्षा बल के जवानों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस एंटी नक्सल ऑपरेशन में 3 नक्सलियों के मारे जाने और मुठभेड़ स्थल से AK-47 और एक इंसास राइफल बरामद होने की भी खबर सामने आ रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टी होना बाकी है। जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र पुलिस के विशेष दस्ता सी-60 ने नक्सलियों के खिलाफ यह ऑपरेशन शुरू किया था।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में मीडिया की अहम भूमिका

प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी : सीएम साय

मुख्यमंत्री साय प्रेस क्लब रायपुर के पदभार ग्रहण समारोह में हुए शामिल, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य सरकार सदैव चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता और अधिकारों की पक्षधर रही है- सीएम साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार पत्रकार कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करते हैं। हमारी बहन-बेटियाँ भी पत्रकारिता के क्षेत्र में पूरी जिम्मेदारी और साहस के साथ अपनी भूमिका निभा रही हैं, जो समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सदैव चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता और अधिकारों की पक्षधर रही है। गत वर्ष के बजट में पत्रकारों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। पत्रकारों के विभिन्न समूहों को अध्ययन एवं भ्रमण के लिए देश के अलग-अलग स्थानों पर भेजा गया, जिसमें महिला पत्रकार भी शामिल रहीं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों द्वारा लौटकर साझा किए गए अनुभव अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ-ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन तिवारी सहित समस्त कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब का इतिहास अत्यंत समृद्ध रहा है। यह देश के पुराने एवं प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी प्रेस क्लब की गरिमा और प्रतिष्ठा को और ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं। पत्रकार समाज के प्रति सजग रहते हुए साहस के साथ गरीबों, वंचितों और आमजन की आवाज को बुलंद करते हैं। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

केंद्र की डबल इंजन सरकार ने सुदृढ़ रणनीति के साथ नक्सलवाद के विरुद्ध लगातार निर्णायक सफलता हासिल की है। बीते दो वर्षों में हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और पराक्रम के कारण नक्सलवाद आज समाप्ति की ओर है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का पूर्णतः खात्मा किया जाएगा, जो निश्चित रूप से शीघ्र साकार होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फेक न्यूज के बढ़ते चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक गंभीर विषय है, जिस पर विचार और समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस दिशा में पत्रकार समुदाय द्वारा सकारात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि पत्रकारों के साथ राज्य सरकार पूरी मजबूती से खड़ी है तथा प्रेस क्लब अध्यक्ष द्वारा रखी गई मांगों पर सरकार सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार समाज के अभिन्न अंग हैं। पत्रकारों द्वारा उठाए गए विषय सदैव समाजहित से जुड़े होते हैं और उनसे शासन-प्रशासन को समाज की वास्तविक जरूरतों को समझने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर पत्रकारों के साथ है और रायपुर प्रेस क्लब के सुदृढ़ विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने भी सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु द्विवेदी एवं प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन तिवारी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।कार्यक्रम के दौरान बसंत वीर उपाध्याय की पुस्तक 'आईएएस की तैयारी और श्रीरामचरितमानस' का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, मुख्यमंत्री के सलाहकार कृष्णा दास सहित प्रशांत शर्मा, मोहित साहू, संदीप पौराणिक, अंशुमान शर्मा तथा रायपुर के अनेक वरिष्ठ पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अंबागढ़ चौकी की समस्याओं को लेकर अनिल मिले सीएम से

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी ने नगर के मूलभूत समस्याओं के निराकरण एवं विभिन्न विकास कार्यों के लिए अधोसंरचना मद से अनुदान राशि उपलब्ध कराने की मांग को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास में प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय से भेंट कर ज्ञापन सौंपा। नगर अध्यक्ष ने नगरीय निकाय क्षेत्र में खेलो इंडिया के तहत स्टेडियम निर्माण एवं बायपास सड़क निर्माण के लिए मांगपत्र सौंपा।

कुरुद में कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट की स्थापना के लिए नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से ली जाएगी राय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत भारतीय पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) द्वारा कुरूद क्षेत्र में प्रस्तावित कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) प्लांट की स्थापना को लेकर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ विस्तार से चर्चा की। विगत कुछ समय से प्रोजेक्ट की स्थापना और प्रक्रिया को लेकर फैली कुछ भ्रांतियों और तकनीकी गलतफहमी के कारण स्थानीय स्तर पर विरोध देखा जा रहा था। इसी परिप्रेक्ष्य में आयुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन संवाद के माध्यम से सभी शंकाओं के समाधान हेतु प्रतिबद्ध है।

निगम आयुक्त ने जानकारी दी कि कलेक्टर की अध्यक्षता में इस विषय पर एक अधिकार संपन्न उच्चस्तरीय समिति का गठन राज्य शासन द्वारा किया गया है। निकट भविष्य में समिति की एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय दंडाधिकारी, BPCL के विशेषज्ञ अधिकारी, क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधि और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर द्वारा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों को परियोजना के तकनीकी पहलुओं, कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट की कार्यप्रणाली, पर्यावरण पर इसके प्रभाव और इसके लाभों के संबंध में एक विस्तृत प्रेजेंटेशन देने हेतु निर्देशित किया गया है।

रिटायर्ड DIG कश्यप को रायपुर PHQ में बनाए OSD

रायपुर। रिटायर्ड DIG कमलोचन कश्यप रायपुर PHQ में OSD बनाए गए है। गृह विभाग ने आदेश जारी कर बताया कि राज्य शासन द्वारा कमलोचन कश्यप, को छग सिविल सेवा नियम, 2012 के नियम 4 (4) में विहित प्रावधान के तहत कार्यभार प्रदान करता है।

कार्यक्रमों को लेकर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा भिलाई की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा भिलाई जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में आगामी 8 फरवरी को भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया का भिलाई जिला में प्रवास के निम्मित एवं 9 फरवरी को केंद्रीय बजट के विषय को लेकर होने वाले युवा संगोष्ठी के निम्मित भिलाई जिला युवा मोर्चा की बैठक भाजपा जिला कार्यालय में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ,महामंत्री मनीष अग्रवाल ,प्रदेश मंत्री भाजयुमो आकाश ठाकुर , प्रदेश सह प्रमुख शासकीय योजना कुशल साहू, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक ,विशाल शाही,रितेश सिंह ठाकुर ,सौरभ चटर्जी,अनूप राय,सोनू ,पी राज, प्रशांत, निखिल सोनी, किशन,सिद्धू, भावेश, अपर्णा मुखर्जी, नवीन सिंह, मोरध्वज साहू, अभिषेक पांडे ,तुषार देवांगन एवं सभी युवा मोर्चा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे यह जानकारी युवा मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी जयंत शर्मा ने दी।

लाइव कॉन्सर्ट: भिलाई में बॉलीवुड ध्वनि भनुशाली ने युवाओं के बीच बिखेरा जलवा

लाभेश घोष / भिलाई

संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, भिलाई में 5 फरवरी से शुरू हुए तीन दिवसीय कार्निवल का आगाज बेहद शानदार अंदाज में हुआ। पहले ही दिन बॉलीवुड की मशहूर सिंगर ध्वनि भनुशाली ने अपनी पावरफुल परफॉर्मेंस से माहौल को यादगार बना दिया।

हजारों की संख्या में जुटे छात्र-छात्राओं की मौजूदगी में ध्वनि ने एक से बढ़कर एक सुपरहिट गाने पेश किए। जैसे ही उन्होंने अपना फेमस सॉन्ग 'लेजा लेजा रे' और 'वास्ते' गाया, पूरा कैंपस तालियों और हूटिंग से गूंज उठा।

ध्वनि ने सिर्फ गाना ही नहीं गाया, बल्कि स्टेज पर शानदार डांस मूव्स के साथ युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। स्टूडेंट्स मोबाइल फ्लैशलाइट जलाकर गानों का लुत्फ उठाते नजर आए। फैकल्टी मेंबर्स और स्टाफ भी इस रंगारंग कार्यक्रम का आनंद लेते दिखे। कार्निवल के पहले दिन ही ऐसा धमाकेदार आगाज हुआ कि आने वाले दो दिनों के कार्यक्रमों को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। रुंगटा कॉलेज का यह आयोजन युवाओं के लिए यादगार बन गया है।

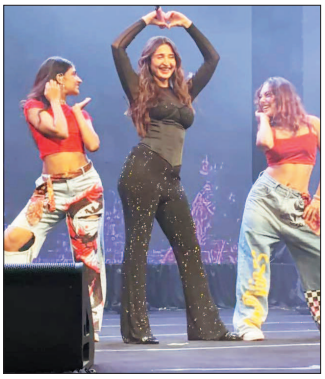

रुंगटा कार्निवल में गूंजे सुपरहिट गाने

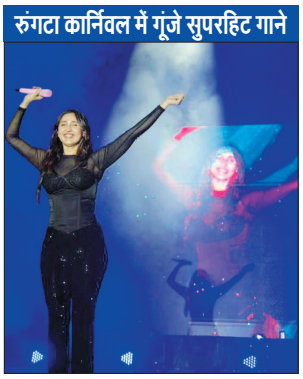

अक्षत गौतम को इंद्रजीत ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक (DGP) अरुण देव गौतम के सुपुत्र चि. अक्षत गौतम के वैवाहिक समारोह में हैदी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह सम्मिलित हुए एवं वर वधू व परिवारजनों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित किये।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।